● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 174, पृष्ठ : 08, सीधी, रविवार, 04 अगस्त 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

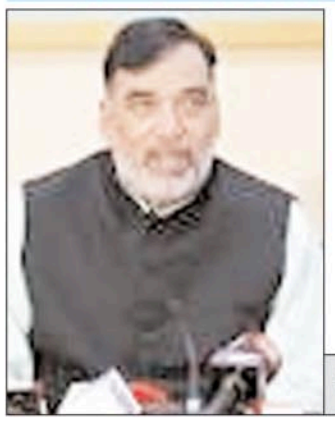

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

मॉ-बेटे की मौत पर हल्ला बोलेगी आप: राय 5

हार्दिक को रिलीज करेगी मुंबई इंडियंस? 6

छोटे किसान ही फूड सिक्योरिटी की सबसे बड़ी ताकत: पीएम

किसानों को जमीन के डिजिटल आइडेंटिफिकेशन नंबर दिए जाएंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी 3 अगस्त को इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिस्ट के 32वें एडिशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी यूएस कहा कि भारत जितना प्राचीन है, उतनी ही प्राचीन एग्रीकल्चर और फूड को लेकर हमारी मान्यताएं हैं, हमारे अनुभव हैं। ये कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में हो रही है।

यह कॉन्फ्रेंस दुनियाभर में खेती और उससे जुड़ी समस्याओं और उसके समाधान खोजने के लिए हर तीन साल में आयोजित की जाती है। भारत में इसका आयोजन 65 साल के बाद किया जा रहा है। यहां इसका आयोजन 2 से 7 अगस्त तक होगा।

भारत जितना प्राचीन है उतनी ही प्राचीन कृषि और भोजन को लेकर हमारी मान्यताएं हैं, हमारे अनुभव हैं। भारतीय कृषि परंपरा में विज्ञान को प्राथमिकता दी गई है। हजारों साल पहले हमारे ग्रंथों में कहा गया है कि सभी पदार्थों में अन्न श्रेष्ठ है इसलिए अन्न को सभी औषधियों का स्वरूप उनका मूल कहा गया है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना में 1 क्लिक से 10 करोड़ किसानों के खाते में रुपए ट्रांसफर हो जाते हैं। सरकार जमीनों के डिजिटलाइजेशन के लिए भी अभियान चला रही है। किसानों को उनकी जमीन को डिजिटल आइडेंटिफिकेशन नंबर भी दिया जाएगा।

भारत में कृषि की शिक्षा और अनुसंधान से जुड़ा एक मजबूत इकोसिस्टम बना हुआ है। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के ही 100 से ज्यादा रिसर्च संस्थान हैं। भारत में कृषि और उससे संबंधित विषयों की पढ़ाई के लिए 500 से ज्यादा कॉलेज हैं। भारत में 700 से ज्यादा कृषि विज्ञान केंद्र हैं जो किसानों तक नई तकनीक पहुंचाने में मदद करते हैं।

एग्रीकल्चर हमारे इकोनॉमिक पॉलिसी का केंद्र है। हमारे यहां करीब 90% परिवार ऐसे हैं, जिनके पास बहुत कम जमीन हैं, ये छोटे किसान ही भारत की फूड सिक्योरिटी की सबसे बड़ी ताकत हैं। यही स्थिति एशिया के कई विकासशील देशों में है, इसलिए भारत का मॉडल कई देशों में काम आ सकता है।

पिछली बार जब आईसीएई की कॉन्फ्रेंस यहां हुई थी, तब भारत को उस समय नई आजादी मिली थी। वह भारत की फूड सिक्योरिटी को लेकर भारत के एग्रीकल्चर को लेकर चुनौतियों से भरा समय था। आज भारत फूड सरप्लस देश है। आज भारत दूध, दाल और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है।

भारत बाजरे का सबसे बड़ा प्रोड्यूसर है। जिन्हें दुनिया सुपर फूड कहती है और उसे हमने श्रीअन्न की पहचान दी है। भारत के अलग-अलग सुपर फूड ग्लोबल न्यूट्रिशन की समस्या को समाप्त करने में एक अहम भूमिका निभा सकते हैं। भारत अपने सुपर फूड की इस बास्केट को दुनिया के साथ साझा करना चाहता है।

मुझे पता नहीं है कि दुनिया में कहीं किसी किसान की कोई प्रतिमा हो, लेकिन भारत में आजादी के आंदोलन में जिस महापुरुष ने किसान शक्ति को जागृत किया, किसानों को आजादी के आंदोलन से जोड़ा, उस किसान नेता सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा भारत में है।

बहनों के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित: डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनों के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। प्रदेश की जनता और बहनों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का एक अलग ही आनंद है। बहनों ने आज जिस स्नेह से उन्हें राखी बांधी है, उसे वह भूल नहीं सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज रक्षाबंधन एवं श्रावण उत्सव में नरसिंहपुर के कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित लाड़ली बहनों के आभार सह उपहार कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लाड़ली बहनों को राज्य सरकार प्रतिमाह 1250 रुपये की राशि दे रही है, जिसका उपयोग बहनें अपने परिवार को चलाने के लिए करती हैं। इस बार रक्षाबंधन के अवसर पर 10 तारीख को

लाड़ली बहना योजना की राशि के साथ उन्हें 250 रुपये अलग से दिये जायेंगे। यह राशि प्रदेश की 1.29 करोड़ बहनों के बैंक खातों में अंतरित की जायेगी। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व सभी त्यौहारों से बड़ा है, जो भाई- बहन के अटूट प्रेम को प्रदर्शित करता है। आज यहां नरसिंहपुर की बहनों के बीच पहुंचकर जो स्नेह मुझे मिला है, ऐसा लगता है कि आज मैंने सभी त्यौहार मना लिये। यह त्यौहार हमारी सनातन संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में आयोजित लाड़ली बहनों के आभार सह उपहार कार्यक्रम में 151.13 करोड़ रुपये की लागत से 12 निर्माण कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन व शिलान्यास किया। साथ ही विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के तहत हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये।

वायनाड को पैरों पर खड़ा करने के लिए केरल एकजुट: सीएम

तिरुवनंतपुरम। केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन को लेकर सीएम पिनाराई विजयन ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान सीएम ने कहा कि भूस्खलन प्रभावित वायनाड में राहत और बचाव कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। शुरुआती चरण में सभी को सुरक्षित स्थान पर लाने पर फोकस किया गया था। बचाव टीम ने अपनी जान की परवाह न किए बगैर काम किया और मुश्किल परिस्थितियों में भी लोगों को बचाया। वायनाड को फिर से खड़ा करने के लिए केरलवासी एकजुट

मुख्यमंत्री विजयन ने कहा कि

हमने अभी तक 148 शव बरामद किए हैं। 10,042 लोग 93 राहत कैंपों में रह रहे हैं। अभी भी चलियार नदी और भूस्खलन प्रभावित इलाकों में तलाशी अभियान चल रहा है। रेस्क्यू अभियान में 1,419 लोग लगे हुए हैं। ड्रोन आधारित रडार जल्द ही तैनात किए जाएंगे। वायनाड को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए केरल के लोग एकजुट हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि 67 शव ऐसे हैं, जिनकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पंचायतों को शवों के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी दी गई है। शवों को सर्व धर्म प्रार्थनाओं के बीच दफनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने राहत और बचाव कार्यों में लगे लोगों की तारीफ की और कहा कि पुल निर्माण के बाद बचाव कार्यों में तेजी आई। सीएम ने विस्थापितों को पुनर्वास पर कहा कि पुनर्वास कार्यक्रम प्रभावी तरीके से होना चाहिए। पूरे रिहायशी इलाके के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। पुनर्वास का काम तेजी से किया जाएगा।

केंद्र ने बीएसएफ चीफ और डिप्टी चीफ को हटाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार देर रात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल नितिन अग्रवाल और डिप्टी स्पेशल डायरेक्टर जनरल योगेश बहादुर (वाईबी) खुरानिया को पद से हटा दिया है। दोनों को अपने-अपने होम कैडर (नितिन अग्रवाल को केरल और खुरानिया को ओडिशा) रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। हालांकि, दोनों टॉप अधिकारियों को हटाने की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिलहाल एसएसबी के दलजीत सिंह चौधरी को बीएसएफ के डीजी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

मध्यस्थता लंबे समय से भारतीय संस्कृति का हिस्सा

सुप्रीम कोर्ट के कार्यक्रम में बोले कानून मंत्री मेघवाल

नई दिल्ली। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस कार्यक्रम में कहा कि मध्यस्थता लंबे समय से भारतीय संस्कृति का हिस्सा रही है। अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए उन्होंने महाभारत की कहानियों का सहारा लिया। मेघवाल ने कहा कि आत्म निरीक्षण विवादों को सुलझाने में मदद करती है। कानून मंत्री ने वैवाहिक मुद्दों को निपटाने में लोक अदालतों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जो

पहले परिवार के बुजुर्गों द्वारा किया जाता था, उनका हल अब विवाद सुलझाने वाली प्रणालियों के जरिए किया जा रहा है। मेघवाल ने कहा कि पहली लोक अदालत भगवान कृष्ण ने आयोजित की थी। उन्होंने पांडव और कौरवों का विवाद लोक अदालत के जरिए ही सुलझाने की कोशिश की थी। इसी के साथ उन्होंने रामधारी सिंह दिनकर की भी पंक्तियों का उदाहरण दिया। इन पंक्तियों के माध्यम से उन्होंने बताया कि कैसे श्रीकृष्ण ने शांतिपूर्ण तरीके से समाधान निकाला था। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मुआवजा, भूमि अधिग्रहण, वैवाहिक मतभेदों से लेकर विवादों को निपटाने के लिए विशेष लोक अदालत सप्ताह का आयोजन किया है। मेघवाल ने बताया कि हजार से ज्यादा मामले निपटाए गए हैं।

छिंदवाड़ा के सौसर में कपास व्यवसायी के घर 18 लाख की डकैती

छिंदवाड़ा । छिंदवाड़ा के जिले के सौंसर थाना क्षेत्र स्थित सिविल लाइन में करीब आधा दर्जन हथियारबंद नकाबपोशों ने सनसनीखेज अंदाज में डकैती की घटना को अंजाम दिया। शनिवार की अलसुबह करीब साढ़े तीन बजे हुई इस वारदात में डकैत करीब 18 लाख रुपये का सामान ले गए। इस घटना के चलते क्षेत्र में हड़कंप व्याप्त है। पुलिस ने मामला दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है। सिविल लाइन निवासी राजेन्द्र साव्रल के घर शनिवार की अलसुबह करीब साढ़े तीन बजे पांच-छह नकाबपोश ग्रिल काटकर अंदर घुसे। इसके बाद आरोपितों ने परिवार के लोगों को डरा-धमकाकर लाखों की डकैती को अंजाम दिया।

कारगिल में 3 मंजिला बिल्डिंग गिरने से 12 घायल

श्रीनगर। लद्दाख के कारगिल के कबाड़ी नाला इलाके में शनिवार को एक तीन मंजिला बिल्डिंग ढह गई। घटना में 12 लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। घटना सुबह करीब 3:45 बजे की है। बिल्डिंग पहाड़ी की ढलान पर बनी थी। नीचे कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। इसी दौरान मिट्टी धंसने से हादसा हुआ। घायल हुए लोगों में से अर्थमूवर (मिट्टी और चट्टान हटाने वाली मशीन) के ड्राइवर समेत पांच को घर के मलबे के नीचे से निकाला गया है। अर्थमूवर मशीन मलबे के नीचे दब गई थी। ड्राइवर उसके केबिन के अंदर फंसा था। बचावकर्मियों को मलबा हटाने और अर्थमूवर मशीन के क्षतिग्रस्त केबिन के अंदर से अर्थमूवर के ड्राइवर को बाहर निकालने में लगभग तीन घंटे लग गए।

6 अगस्त तक राहत नहीं, मौसम विभाग का राज्यों के लिए अलर्ट

नई दिल्ली। बारिश से उत्तर से दक्षिण भारत तक जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। मैदान से पहाड़ी इलाकों तक झमाझम बरसात हो रही है, जिसके कारण कई प्रदेशों में बाढ़ आ गई है। मौसम विभाग ने झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ इलाकों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है।

स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड और आसपास के इलाकों पर डिप्रेशन बना है। अगले 48 घंटों में इसके उत्तर-पश्चिमी झारखंड, दक्षिण-पूर्व

यूपी, पूर्वी मप्र और उत्तरी छत्तीसगढ़ में बढ़ने की संभावना है। मानसून ट्रफ बीकानेर, जयपुर, सतना, अवसाद, बांकुरा, कैनिंग से होकर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी की तरफ आगे बढ़ रहा है।

आईएमडी ने महाराष्ट्र के कई शहरों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। ठाणे, पालघर, नांदेड़, हिंगोली, नासिक, नंदुरबार, धुले, जलगांव और सोलापुर जिलों में गरज के साथ बारिश चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 3 से 6 अगस्त के दौरान बिहार के कई इलाकों में तेज बरसात होगी। वहीं, कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश संभव है। छत्तसीगढ़ के उत्तरी भागों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। धमतरी का गंगरेल डैम 86% भर चुका है। शुक्रवार को 14 गेट आधे घंटे के लिए खोले गए।

आईएमडी ने पूर्वी राजस्थान में 6 अगस्त तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। वहीं, कुछ स्थानों पर भारी बरसात हो सकती है। विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान झारखंड में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है।

केरल में बारिश थमन का नाम नहीं ले रही है। वायनाड में 29-30 जुलाई की रात भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 361 तक पहुंच गई है। इनमें 218 डेड बॉडी की पहचान हो चुकी है। अब भी 206 लोग लापता है।

असम राइफल्स की 2 बटालियन मणिपुर से जम्मू-कश्मीर जाएंगी

नई दिल्ली। मणिपुर में तैनात असम राइफल्स की दो बटालियन को जम्मू-कश्मीर में तैनात किया जाएगा। इन बटालियन में 1500 जवान हैं, जिन्हें जम्मू-कश्मीर में बढ़ती टेरर एक्टिविटी के चलते वहां भेजा जा रहा है। मणिपुर में असम राइफल्स के इन जवानों की जगह सीआरपीएफ की तैनाती की जाएगी।

इससे पहले जम्मू कश्मीर की सुरक्षा बढ़ाने के लिए दो हजार जवानों वाली बीएसएफ की दो बटालियन को ओडिशा से वापस जम्मू-कश्मीर बुलाया गया था। इन जवानों को ओडिशा में नक्सल विरोधी अभियान में तैनात किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकी घटनाओं के बीच एक सुरक्षा बैठक की थी। इस बैठक में गृहमंत्री अमित शाह और एनएसए अजीत डोभाल भी मौजूद थे। वहीं मणिपुर से असम राइफल्स हटाकर सीआरपीएफ की तैनाती के खिलाफ 10 कुकी-जो विधायकों ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने मांग की है कि असम राइफल्स को न हटाया जाए और सीआरपीएफ की तैनाती न हो।

डीएवीवी एनईपी और पुरानी स्कीम वाले ग्रेजुएशन फाइनल ईयर की सप्लीमेंट्री एक्जाम अक्टूबर में कराएगी

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने स्नातक अंतिम वर्ष की पूरक परीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया है। जहां एनईपी और पुरानी स्कीम वाले स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा एक साथ करवाई जाएगी। विश्वविद्यालय ने पूरक परीक्षा अक्टूबर दूसरे सप्ताह में रखी है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने दस दिनों के भीतर परीक्षा संपन्न करवाने पर जोर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक दोनों परीक्षाओं को लेकर अलग-अलग सेंटर बनाए जाएंगे।

विद्यार्थियों का कहना था कि परीक्षा नहीं होने से कॉलेजों में प्रवेश स्थायी होना बाकी है। इस संबंध में परीक्षा और गोपनीय विभाग के अधिकारियों ने बैठक बुलाई, जिसमें पूरक परीक्षा करवाने पर मंथन किया।

मणिपुर के जिरिबाम में शांति समझौते के अगले दिन हिंसा

इम्फाल। मणिपुर के जिरिबाम में शांति बहाल करने के समझौते के 24 घंटे के भीतर फिर से हिंसा हुई। जिरिबाम के लालपानी गांव में शुक्रवार (2 अगस्त) की रात हथियारबंद लोगों ने कई राउंड फायरिंग की। एक घर में आग लगा दी। हालांकि, वहां कोई रहता नहीं था।

अधिकारियों ने बताया कि लालपानी में मैतेई लोगों के घर हैं। यहां के अधिकांश लोगों ने जिले में हिंसा भड़कने के बाद घर छोड़ दिया था। उपद्रवियों ने यहां सुरक्षा-व्यवस्था में ढील का फायदा उठाकर हमला किया। हमलावरों की अभी तक पहचान नहीं हुई है।

घटना के बाद सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया है। मैतेई और कुकी समुदायों ने गुरुवार (1 अगस्त) को असम के कछार से सटे सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में एक बैठक के बाद शांति समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों समुदायों ने जिले में स्थिति सामान्य करने, आगजनी और गोलीबारी की घटनाओं को रोकने की बात कही थी। दोनों पक्षों ने सुरक्षाबलों को भी पूरा साथ देने का आश्वासन दिया था।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि पिछले 5 साल में राज्य में कुल 10,675 घुसपैठिए आए हैं। उन्होंने 12वीं विधानसभा के छठे सेशन में कहा- ये घुसपैठिए म्यांमार, बांग्लादेश, नॉरवे, चीन और नेपाल से आए हैं।

इन 10,675 में से 85 पिछले 5 साल में वापस भेज दिए गए। फिलहाल 143 घुसपैठिए डिटेंशन सेंटर में हैं।

युद्धग्रस्त यूक्रेन से छात्रों को निकालकर भारत ने पेश की मिसाल: कोविंद

नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि भारत ने युद्धग्रस्त यूक्रेन से अपने छात्रों को निकालकर दुनिया के सामने एक उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे के संघर्ष विराम के लिए रूस और यूक्रेन दोनों के साथ बातचीत की थी।

पांचवें राजाराम जयपुरिया स्मृति व्याख्यान में पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि भारत विश्वगुरु या वैश्विक नेता बनने की राह पर है। उन्होंने युवाओं से इसमें योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम सहित कई उदाहरण दिए और बताया कि कैसे

भारत ने खुद को वैश्विक नेता साबित किया।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में बात करते हुए कोविंद ने कहा कि सभी को उम्मीद थी कि यह संघर्ष एक या दो महीने में खत्म हो जाएगा। यही वजह है कि कई भारतीय छात्र युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंस गए। जब छह-आठ महीने बीत गए, तो स्थिति ऐसी हो गई कि जिंदा रहना मुश्किल हो गया। छात्रों के अभिभावकों की चिंताओं को सरकार ने माना। मैं जानबूझकर यह उदाहरण दे रहा हूं, क्योंकि मैं उस समय राष्ट्रपति भवन में था।

उन्होंने कहा, मैंने पूछा कि इतने सारे भारतीय यूक्रेन क्यों जाते हैं। मुझे बताया गया कि वहां चिकित्सा शिक्षा सस्ती है। हमारे छात्र फंस गए। अगर उन्हें कुछ हो जाता तो सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाता। हालांकि, यह सरकार की जिम्मेदारी नहीं थी। माता-पिता ने उन्हें वहां भेजा, लेकिन सरकार को दोषी ठहराया जाता। कोविंद ने कहा, हमारी सरकार ने एक उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वैश्विक नेता की भूमिका निभाई और रूस व यूक्रेन दोनों देशों से चौबीस घंटे के लिए संघर्ष विराम के लिए बात की। उन्होंने कहा, दोनों बड़े देश हैं। यदि कोई अन्य देश दखल देता तो क्या वे सहमत होते? नहीं।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने रूस और यूक्रेन दोनों से बात की और भगवान का शुक्र है कि दोनों सहमत हो गए। चौबीस घंटे के लिए युद्ध रुका था। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका, पाकिस्तान और चीन जैसे अन्य देशों के छात्र भी फंस गए थे। लेकिन उनकी सरकारें उन्हें निकाल न सकीं।

उनके नेताओं को भी भारत के उदाहरण का अनुसरण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि आपने छात्रों को भेजने से पहले हमसे नहीं पूछा। उन्होंने कहा, यह वैश्विक नेतृत्व है और आज की तारीख में भारत की पहचान वैश्विक नेता के तौर पर बन रही है। कोविंद ने यह भी कहा कि विश्वगुरु के विचार का मतलब यह नहीं है कि भारत के नेतृत्व में एक वैश्विक सरकार होगी।

जिले भर मे झमाझम बारिश का आगाज, किसानों के खिले चेहरे

नगर निगम की व्यवस्थाओं की खुली पोल, धान की खेती मे जुटे किसान

सिंगरौली

पूरे जिले में शुक्रवार की रात से ही जिले भर मे झमाझम बारिश का आगाज हुआ है और शनिवार को भी प्रभु की कृपा बारिश बन कर बरस रही है। सावन का आधा महीना निकलने के बाद जिले में मानसून की इतनी सक्रियता बढने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। बारिश का पानी खेतों में भरने से धान की रोपनी भी शुरू हो गया है। मानसून की झमाझम बारिश से किसान काफी खुश हैं। वे लंबे समय से मानसून की बारिश का इंतजार कर रहे थे। कहीं-कहीं वैसे जहां धान के खेत तैयार हैं,वहां रोपाई का कार्य भी शुरू हो गया है। इस बीच सुबह से ही रुक रुक के हो रही बारिश का सिलसिला जारी रहा। जिससे मौसम में ठंड बढ़ी हवाओं की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिला। बता दें कि जिले में मानसून की झमाझम बारिश से बैढन, देवसर और चितरंगी ब्लाक के निराश किसानों में खुशी की लहर दौड़ी है। किसान ट्रैक्टर या फिर हल लेकर खेतों में निकल गए। जिन किसानों ने रोहणी में धान का बीज डाला था, उसके खेत की रोपाई शुरू हो गई है। वहीं मौसम के मार से जो खेत सूख रहे थे। वह भी बारिश के बाद पानी

से लबालब भर गए हैं। बताया जात रहा है कि बरसात विलंब से होने के कारण किसानों को थोड़ी परेशानी हुई है। लेकिन इस बीच अच्छी बात यह है कि किसानों का रुझान मोटे अनाज की तरफ ज्यादा हुआ है। इसलिए किसानों ने इस बार दलहन और तिलहन की खेती में शिफ्ट हुए हैं। ऐसे में इस बार जिले में अरहर मूंग उड़द और तिल का उत्पादन बढ़ेगा। इससे किसानों की आय भी बढ़ेगी। हालांकि पूर्व में भी हल्की बारिश होती रही है। जिससे किसान धान की रोपनी नहीं कर पा रहे थे। लेकिन दो दिन पूर्व बैढन,सरई व देवसर क्षेत्र में बारिश हुई है तो वही आज मुख्यालय समेत पूरे ग्रामीण इलाके में झमाझम बारिश होने से धान की रोपाई शुरू हो गई है।

सावन की बारिश ने एक बार फिर जिला मुख्यालय में नगर निगम की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। हर साल की तरह शहर की तमाम सडकें फिर जलमग्न हो गईं और एक बार फिर नगर निगम के बड़े-बड़े दावे धराशायी हो गए। नालियों में भरा कचरा और सीवर की गंदगी जहां-तहां सडकों पर बहती रही। कई जगह दुकानों में बारिश का पानी घुसने से लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं, शहर में जगह-जगह खुदी पड़ी सडकों पर पानी भरने से स्थिति और खराब हो गई। गड्ढों में पानी भरने से अब इन सडकों पर चलना भी दूभर हो गया है।

बारिश शुरू, खेतो में पहुंचे किसान

बीते गुरूवार से हो रहे बरसात से एक तरफ जहां किसानों में खुशियों का ठिकाना नहीं रहा, वहीं दूसरी शहरी क्षेत्र में लोगों के जीवन पर इसका विपरित असर देखने को मिला। लोगों को अपने दैनिक कार्यों के लिए घरों से बाहर निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बारिश छात्रों व विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को उनके दिनचर्या से नहीं रोक पायी। सडकों पर छात्र व अपने कार्य पर जाने के लिए छतरी के सहारे देखे गये। वही अच्छी बारिश होने के वाद किसान खेतो मे देखे गए।

सरई- झुरही मार्ग पुलिया टूटी

सूत्रो की बातों पर गौर करे तो सरई तहसील से जो सीधे वाली गली झुरही रोड को मिलाती हैं उसका पुल टूट गया है फिलहाल सरई पुलिस मौके पर मौजूद होकर लोगो को समझा रही है साथ में नगर परिषद के सीएमओ एवं कर्मचारी भी अपना काम कर रहे हैं। जिले भर के नाले उफान पर आ गए है। लगातार हो रही बारिश के चलते जिला मुख्यालय की सड़के भी जलमगन हो गई है।

गहनो की सफाई के नाम पर आभूषण बदलने वाले गिरोह से रहे सावधान: निवेदिता

सिंगरौली

वर्तमान समय में पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता के समक्ष शहर व गाँवो में सस्ते मूल्य पर गहनों की सफाई के नाम पर ठगी करने से संबंधित सक्रिय होने की खबरें प्रकाश में आई है। जिसमें ठग आपके घर आकर आभूषणों को चमकाने के नाम पर आपके कीमती गहनों की चोरी कर लेते है। ये ठग आपके सोने व चाँदी के आभूषणों की सफाई के दौरान गहनों को बदल कर उसकी जगह नकली आभूषण दे देते है। बदले हुए आभूषण हु-ब-हू होने के कारण आप इन्हे पहचान नही पाते, और इस प्रकार ठग गिरोह द्वारा ठगी को अंजाम दिया जाता है। इस गिरोह के निशाने पर अधिकतर महिलाएं होती हैं। इनसे बचाव का एकमात्र उपाय आपका जागरूक होना ही है। सोने के गहने और अन्य जेवरातों को चमकाने के नाम पर शहर में सक्रिय ठग लोगों को बेवकूफ बना कर ठगी कर लेते है। हाल के कुछ महीनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें गहनों की सफाई के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाया गया है। गहनों की ठगी करने वाले गिरोह के ठग पूरी प्लानिंग से इस तरह की ठगी को अंजाम दे रहे हैं।

महिलाओं को करते हैं टारगेट

गहनों की ठगी करने वाला यह गिरोह अधिकतर दोपहर में ही अपने काम को अंजाम देता है। यह गिरोह मुख्य रुप से महिलाओ को टारगेट करता है। ठगी के लिये अधिकतर दोपहर का समय चुना जाता है, क्योंकि इस समय घर के पुरुष सदस्य बाहर होते हैं और बच्चे स्कूल गए होते हैं। घर में उपस्थित महिला को कम कीमत पर आभूषण चमकाने का सपना दिखाया जाता है। जो महिला इनके झांसे में फंस जाती है, इस प्रकार महिलाये ठगी का शिकार बनती है।

बचाव के लिए जागरूकता जरूरी

इस तरह की ठगी से बचने का एकमात्र उपाय जागरूकता ही है। महिलाओं को इसके लिए विशेष रूप से सजग रहने की आवश्यकता है। आभूषणों की सफाई प्रतिष्ठित दुकान में ही कराएं। सफाई से पहले और बाद में गहनों का वजन करा लें। ऐसे में आप ठगी का शिकार नहीं होंगे। मोहल्लों में घूमने वाले लोगों से कभी गहने साफ न कराएं। इस प्रकार के गिरोह के आशंका होने पर नजदीकी पुलिस थाना या पुलिस कंट्रोल रुम 7049134457 को सूचित करें।

नव विवाहिता की मृत्यु को लेकर परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

सिंगरौली

थाना गढ़वा क्षेत्र अंतर्गत बगदरा चौकी क्षेत्र के ग्राम झागरहिया से मामला प्रकाश में आया है जहां नव विवाहिता उर्मिला बैस की मौत हो जाने के बाद मृतका के मायके पक्ष से विजय कुमार बैस पिता गोरख प्रसाद बैस एवं लखरजिया देवी पति गोरख प्रसाद बैस ग्राम बड़रम,पोस्ट खैडार ने दहेज को लेकर ससुराल पक्ष पर मृतिका के पति अमरेश बैस सहित ससुर मनोरथ बैस और परिवार जनो पर दहेज़ सहित पैसे लेने को लेकर आये दिन प्रताड़ित किये जाने एवं हत्या करने का आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतिका उर्मिला का विवाह 2022 मे झगरहिया निवासी अमरेश के साथ में हुआ था। मृतका के द्वारा पूर्व में भी प्रताड़ना किए जाने एवं मारपीट किए जाने के संबंध में मायके वालों को बताया गया था।जहां माइके वालों द्वारा कई बार आरजू मिन्नत करते हुए ससुराल पक्ष से समझौता भी किया गया था। परंतु मैं के पक्ष की माने तो किसी की भी एक न चली और अंतत:उर्मिला को जान से हाथ धोना पड़ा। जिसके संबंध में मायके पक्ष वालों ने 12जुलाई को अनुविभागीय पुलिस अधिकारी चितरंगी में आवेदन देकर जांच एवं कार्यवाही की मांग की गई है। वहीं उक्त मामले को तत्काल संज्ञान में लेकर एसडीओपी चितरंगी आशीष जैन द्वारा सक्रियता से जांच कर दोषी पाए गए आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत वर्णित धारा 80,85 व 3/4 में मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है।

कन्या आश्रम झारा का सरई तहसीलदार ने किया आकस्मिक निरीक्षण

सिंगरौली। सरई तहसील अंतर्गत ग्राम झारा में संचालित शासकीय जनजातीय कन्या आश्रम का निरीक्षण तहसीलदार सरई चन्द्रशेखर मिश्रा के द्वारा किया गया। जहां पर कक्षा 1 से 5 तक की कक्षाएं भी संचालित हैं जो 50 सीटर छात्रावास सह विद्यालय है। निरीक्षण के दौरान छात्रावास छात्रावास अधीक्षिका कंचन पनिका मौके पर उपस्थिति पाई गई। तहसीलदार ने अधीक्षिका से कहा कि पालक अपने बच्चों को यहां काफ़ी उम्मीदों के साथ छोड़ते हैं। शासन के द्वारा सभी जरूरी संसाधन मुहैया कराए जा रहे हैं। इसलिए आश्रम छात्रावास में

छात्राओं को बेहतर सुविधाएं और रहने का अच्छा माहौल मिले यह आपकी जिम्मेदारी है। कन्या आश्रम में 50 छात्राओं में से 40 छात्राएं उपस्थित पाई गई। छात्राओं के शायन कक्षा की स्थिति साफ स्वच्छ पाई गई सभी बिस्तर के साथ मच्छरदानी एवं पंखे अच्छी स्थिति में पाए गए। रसोई घर के निरीक्षण के दौरान सामग्री का भी निरीक्षण किया गया सभी समाग्री सही स्थिति में दिया जाना पाया गया। शासन द्वारा प्रत्येक आश्रम में मनोरंजन हेतु टीवी कंप्यूटर एवं खेल के उपकरण प्रदाय किए गए हैं जिनका निरीक्षण किया गया जो मौके पर पाए गए। इस दौरान उन्होंने वहां निवासरत बच्चियों से भी बात की और उनके पढ़ाई लिखाई और खान पान के बारे में जानकारी ली। छात्रों से जानकारी लिए जाने पर भी उन्होंने संतुष्टि पूर्वक उत्तर मिले। अधीक्षक के द्वारा टैब के माध्यम से उपस्थिति पत्रक का प्रस्तुतीकरण भी किया गया। 50 बच्चों के बीच में शिक्षकों की कमी पाई गई केवल अधीक्षिका ही शिक्षा ग्रहण करा रही हैं एवं प्रशासनिक दोनो का कार्य कर रही है शेष कोई अन्य शिक्षक वहां पर नियुक्त नहीं है। मौके पर पानी की समस्या होना बताया गया। जिसके लिए एस्टीमेट तैयार कर एसी ट्राइबल कार्यालय भेजे जाने हेतु निर्देशित किया गया है। अंत में तहसीलदार श्री मिश्रा द्वारा शैक्षणिक गतिविधियों में गुणवत्ता लाने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सहित आश्रम परिसर में नियमित साफ-सफाई, विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं मच्छरदानी का नियमित उपयोग, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं में और बेहतर सुधार लाने के निर्देश दिए गये। जांच के दौरान राजस्व निरीक्षक आर. एन.सोनी, पटवारी विपिन त्रिपाठी एवं अशोक द्विवेदी उपस्थित रहे।

एनसीएल ने आयोजित किया भव्य सिंगरौली इंडस्ट्रियल समिट 2024

सिंगरौली परिक्षेत्र के सतत विकास में उद्योगों की भूमिका पर केंद्रित रहा सिंगरौली इंडस्ट्रियल समिट

सिंगरौली। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने सिंगरौली स्थित एनसीएल मुख्यालय में सिंगरौली इंडस्ट्रियल समिट 2024 का भव्य आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (पंचायत एवं ग्रामीण विकास, मध्य प्रदेश) श्रीमती राधा सिंह मौजूद रहीं। साथ ही विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम, एपीसीसीएफ-आईएफओएस, भोपाल एचएस मोहंता, सदस्य सचिव, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल, अच्युत आनंद मिश्रा, जिला अधिकारी, (सिंगरौली) चंद्रशेखर शुक्ला, सीएमडी, एनसीएल बी साईराम, पुलिस अधीक्षक (सिंगरौली) श्रीमती निवेदिता गुप्ता, निदेशक (कार्मिक) मनीष कुमार, निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण, निदेशक (तकनीकी/संचालन) जितेंद्र मलिक, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) सुनील प्रसाद सिंह, एनटीपीसी, रिलायंस, हिंडाल्को, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमईआईएल सोनभद्र, एमपीआईडीसी, एमपीएसटीडीसी, ग्रासिम इंडस्ट्री रेणुकूट, अडानी ग्रुप, अमेलिया कोल माइनिंग के प्रतिनिधियों एवम् अन्य के साथ एनसीएल जेसीसी सदस्य एवम् सीएमओएआई महासचिव उपस्थित रहे। साथ ही एनसीएल मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों/इकाइयों से महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष और बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।इस दौरान राज्य मंत्री पंचायत एवम् ग्रामीण विकास विभाग मध्य प्रदेश शासन श्रीमती राधा सिंह और विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम ने सिंगरौली इंडस्ट्रियल समिट-2024 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सिंगरौली के सतत विकास के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए।

भाजयुमो ने खुले बोरवेल को कराया दुरुस्त

सिंगरौली। मध्यप्रदेश प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव के निर्देश पर एवं प्रदेश के कुशल नेतृत्व आह्वान व जिला अध्यक्ष के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ मिल कर खुले में हुये बोरवेल से जिले हुई मासूम बच्ची की मृत्योपरांत आम जन की सुरक्षा की दृष्टि कोण से युद्ध स्तर पर चल रहे खुले बोरबेल को बंद कराने के प्रयास में आज

3 अगस्त को ग्राम ओड़ागी में एक खुले बोर बेल को दुरुस्त करने में युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी द्वारा सराहनीय सहभागिता निभाई तो वहीं द्विवेदी ने अपने समस्त भारतीय जनता पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारी एवं सभी भारत के जिम्मेदार नागरिकों से अपील किया हैं कि इस तरह की कोई जानकारी मिल रही है तो आप सब स्वयं अपनी नैतिक जिम्मेदारी को समझ कर बोर बेल दुरुस्त कराते हुए प्रशासन को अवगत कराने का कष्ट करें।

वर्षाकाल के दौरान हो रही घटनाओं से सतर्क रहने हेतु उपखंड प्रशासन ने किया आम सूचना जारी

सिंगरौली। क्षेत्र में आम जनजीवन को किसी भी तरह से प्राकृतिक आपदा सहित अन्य घटनाओं का सामना न करना पड़े,किसी भी तरह की जनमानस को समस्या उत्पन्न न हो जिसके लिए उपखंड अधिकारी चितरंगी सुरेश जादव ने आम सूचना जारी करते हुए लोगों से अपील किया है कि वर्षा काल में नदी,नालों व झीलों पोखरों में छोटे बच्चों को अकेला जल स्रोतों के पास न जाने दें,जब पुल,पुलिया के ऊपर से जल बहाव हो रहा हो उस स्थिति में रास्ता पार न करें,अनुपयोगी बोर को खुला ना छोड़े यदि खुला हो तो उसको तत्काल बंद करवाए,सर्वदंश की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को बिना देर किए तत्काल उपचार हेतु चिकित्सालय में ले जाएं।वर्षाकाल में दूषित जल पीने से हैजा डायरिया होने की संभावना बनी रहती है।इसलिए हैंडपंप नलकूप या अन्य पेयजल स्रोतों से शुद्ध पेयजल का ही उपयोग करें।अति वृष्टि से जल भराव हो तो इसकी सूचना तहसील स्थित कंट्रोल रूम को आवश्यक रूप से बचाव हेतु उपरोक्त उपायों को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उपखंड एवं तहसील कार्यालय को सूचना दें।

बारिश के बाद खेतों में घुसा रिलायंस कोल माइंस का मलबा, फसलें हुई खराब

जोरदार बारिश के बाद खेतों में जा पहुंचा मलबा, किसानों की फसलें चौपट किसान परेशान

सिंगरौली। जिले में दो दिन से हो रही बारिश अब अमलोरी वासियों के लिए मुसीबत खड़ी कर रही है. जिले में तेज बारिश के बाद लोगों के खेतों में मलबा जा पहुंचा है. जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बताया जा रहा है कि रिलायंस कोल माइंस मुहेर खदान का ओवर बर्डन (मिट्टी, डस्ट, और मलवा) अमलोरी के आसपास डंप कर रखा था. जो बारिश के पानी के साथ बहकर लोगों के घरों और खेतों में पहुंच गया है. जिससे लोगों को डर सता रहा है कि कहीं उनकी जमीन अब बंजर ना हो जाए।

बता दें कि यह कोई पहली बार नहीं हुआ है जब बारिश में रिलायंस कंपनी का मलवा आसपास के रिहायसी इलाकों

और खेतों में पहुंचा है इसके पहले भी बारिश के समय कमोबेश यही हालात होते हैं बावजूद इसके रिलायंस कंपनी डंप ओवर बर्डन कर रखरखाव करने में कंजूसी करता आया या फिर लापरवाह बना हुआ हैं। डंप ओवर बर्डन के किनारे रिटर्निंग बाल बनाई गई होती तो ऐसे हाल टी नहीं बनते। ओवर बर्डन पानी की तेज बहाव से खेतों में तीन से चार फीट तक मोटी परत जम चुकी है। लोगों का कहना है कि खेतों में मलबा आने से धान , तिल , मक्का और सब्जियों की खेती पूरी तरह से चौपट हो गई है. कई सालों से ओवर बर्डन से लगी जमीनों में किसान खेती करने से डरने लगे हैं। वहीं इस मामले में रिलायंस कोल माइंस के अधिकार है मामले को दबाने में लगे हुए है. वहीं मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन मूक दर्शन बना हुआ है।

रिलायंस ने किसानो की बढ़ा दी टेंशन!

वहीं जिले में महीनो बाद हुई बारिश ने जहां किसानों को राहत दिया है. वहीं ग्रामीण इलाकों में कई जगह नदी नाले उफान पर हैं.वही रिलायंस सासन पॉवर कंपनी जिले में आने के बाद लोगों को आफत बनकर आया है हर बारिश में कभी ओवर बर्डन बहाने से किसने की खेत बंजर हुए हैं तो कभी रिलायंस कंपनी के राखड डैम फूटने से लोगों ने अपनी जान गवाई। कंपनी के अधिकारी ग्रामीणों की समस्या को लेकर गंभीर नहीं रहें। डैम टूटने के बाद फैले मलबे को समेटने में रिलायंस पावर कंपनी ने कभी संजीदा नहीं दिखाई दी।

मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान मे लिया जिलाध्यक्ष द्वारा सौंपे गये मांगपत्र को

सिंगरौली। लाड़ली बहना आभार कार्यक्रम चितरंगी में भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली के जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता द्वारा सिंगरौली के लिये विभिन्न मांगों का एक पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा गया था जिस पत्र को मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लेते हुए उस पत्र में उल्लेखित मांगों को प्रक्रिया में लेकर उनके निराकरण का आश्वासन दिया है। जिलाध्यक्ष द्वारा रखी गई मांगों में एक मांग सिंगरौली से हवाई सेवा नियमित करने तथा हवाई पट्टी को उन्नयन कर हवाई अड्डे में परिवर्तन तथा विभिन्न महानगरों के लिये हवाई सेवा प्रारंभ करने की थी जिस पर मुख्यमंत्री जी ने हवाई

सेवा को सप्ताह में तीन दिन करने की तत्काल घोषणा कर दी है तथा उसका अनुपालन भी हो गया है। हवाई पट्टी के उन्नयन की क्रमिक प्रक्रिया को प्रारंभ करने का मुख्यमंत्री जी द्वारा आश्वासन भी प्राप्त हो गया है। जिलाध्यक्ष द्वारा एक अति महत्वपूर्ण मांग मोरवा नगर के व्यवस्थित विस्थापन की थी जिस पर मुख्यमंत्री ने गंभीरता से विचार कर भारत सरकार के संबंधित विभागों से चर्चा कर मोरवा के सुव्यवस्थित विस्थापन पर अपनी सहमति प्रकट की है। जिलाध्यक्ष ने कहा है कि उनके द्वारा रखी गई समस्त समस्याओं पर मुख्यमंत्री ने यथाशीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया है।

जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया आदेश

अनुपयोगी एवं खुले बोरवेल तथा ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोकने व नियंत्रण के लिए आदेश जारी

सीधी। जिले में अनुपयोगी खुले नलकूपों एवं बोरवेल में छोटे बच्चों के गिरने संबंधी दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (1) के अंतर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनुपयोगी एवं खुले बोरवेल तथा ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोकने व नियंत्रण की कार्यवाही हेतु सम्पूर्ण सीधी जिले की सीमाओं में आगामी आदेश पर्यन्त तक आदेश पारित किया है।

जारी आदेशानुसार समस्त उपखण्ड दण्डाधिकारी द्वारा अपने क्षेत्रांतर्गत अनुपयोगी एवं खुले नलकूप बोरवेल तथा ट्यूबवेल की जानकारी एकत्रित कर उन्हें सुरक्षित रूप में बंद करने की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की जावे। सीधी जिले की सीमा क्षेत्रांतर्गत जिन बोरवेल का उपयोग नही किया जाता है, या जिन बोरवेल में मोटर नही डली है अथवा जिनमें बोर केप नहीं लगा हुआ है, ऐसे समस्त खुले बोर में बोर केप एवं लोहे के मजबूत ढक्कन नट बोल्टो की सहायता से मजबूती के साथ बंद किये जाने हेतु संबंधित भूमि स्वामी, किसान एवं संस्था को आदेशित किया गया है। अनुपयोगी अथवा खुले पड़े हुए बोरवेल को लोहे के मजबूत ढक्कन या केप से नट बोल्टों की सहायता से मजबूती के साथ बंद किया जावे। इसी प्रकार जिला अंतर्गत अनुपयोगी एवं खुले कुओं व बावड़ी को भी जगत बनाकर एवं जाली लगाकर सुरक्षित किया जाना सुनिश्चित करें। ग्रामीण क्षेत्रों तथा नगरीय क्षेत्रों में संबंधित क्षेत्र के कार्यपालिक दण्डाधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका/नगर पंचायत परिषद अपने-अपने क्षेत्र का भ्रमण कर उक्त व्यवस्था सुनिश्चित करवाये जाने हेतु उत्तरदायी होगे। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग भोपाल द्वारा शासन के निर्देशानुसार जिला पंचायत/जनपद पंचायत/ग्राम पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों के संबंधित नगरीय निकाय द्वारा नवीन नलकूप खनन की जानकारी, नलकूप खनन मशानों का पंजीयन, नलकूप खनन करने वाले ठेकेदारों की जानकारी तथा अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों की जानकारी संधारित की जाये तथा इसकी मॉनिटरिंग किया जाना सुनिश्चित करें। उक्त आदेश का उल्लंघन किये जाने पर संबंधित के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी।

जिला पंचायत की सहकारिता एवं उद्योग स्थायी समिति की बैठक आयोजित

सीधी। जिला पंचायत की सहकारिता एवं उद्योग स्थायी समिति की बैठक प्रदीप शुक्ला सभापति की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्यगण एवं सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में सहकारिता विभाग द्वारा नवीन सहकारी समितियों के गठन की प्रक्रिया पर चर्चा की जाकर नवीन क्षेत्रों में सहकारी समितियों के गठन किये जाने के निर्णय लिये गये। खाद्य विभाग सीधी द्वारा उचित मूल्य की दुकानों पर खाद्यान्न भण्डारण एवं पहुंच विहीन क्षेत्रों में खाद्यान्न परिवहन की प्रगति पर चर्चा की गई। मड़वास क्षेत्र में साझा चूल्हा एवं मध्यान्ह भोजन के खाद्यान्न आवंटन एवं उठाव की स्थिति की समीक्षा की गई। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीधी के 03 वर्ष से अधिक अवधि से एक ही स्थान पर कार्यरत शाखा प्रबन्धकों एवं समिति प्रबन्धकों के संबंध में चर्चा एवं सेवा नियम में प्रावधानों के तहत उनके स्थानान्तरण प्रकिया पर चर्चा कर स्थानान्तरण के संबंध में कार्यवाही के निर्देश दिये गये। जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 में लक्ष्यपूर्ति एवं लाभान्वित हितग्राहियों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये गये।

अनुपयोगी एवं खुले नलकूप बोरवेल तथा ट्यूबवेल को सुरक्षित करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीधी

नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के ऐसे बोरबेल जिनकी केसिंग पाइप निकाल ली जाती है अथवा खराब व फेल हो जाने के कारण उन्हें खुला छोड़ दिया जाता है. जिससे बोर धसक कर खतरनाक हो जाते है। इसी प्रकार कुओं तथा बावड़ियों के उपर फर्शी गर्डर डालकर अथवा सीमेन्ट कांकीट के ऐसे निर्माण कर लिए जाते है, जिनके धसकने से बच्चों के गिरने तथा अन्य गंभीर घटनाएं होती है। इन घटनाओं के घटित होने से आपदा प्रबंधन की आकस्मिक स्थिति तथा उत्पन्न आकस्मिक परिस्थितियों से प्रशासन को सामना करना पड़ता है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शासकीय विभागों द्वारा जिला अंतर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कराये गए ऐसे बोर जो फेल हो गये है, उन्हें सूचीबद्ध किया जाय तथा कैप लगाकर तत्काल पाटनें की कार्यवाही विभाग द्वारा की जावे। जिला अंतर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे भूमि स्वामी जिनकी भूमि पर खुले बोरवेल अथवा कुओं, बावड़िया, खुले जल स्त्रोत एवं गड्ढें पाई जाती है, उनका सर्वेक्षण कराया जाकर सूचीबद्ध किया जाये तथा ऐसी संरचनाओं को तत्काल बंद कराने की कार्यवाही की जाए। इसी प्रकार जिला अंतर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिना जगत के कुओं एवं खुले कुओं में दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है, ऐसे कुओं के जगत बडे करवाकर एवं जाली लगाकर बंद करने की कार्यवाही की जाय। निर्धारित समयावधि में उक्त कार्य पूर्ण नहीं किये जाने पर संबंधित नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत द्वारा अनुविभागीय दण्डाधिकारी को लिखित सूचना देगी। अनुविभागीय दण्डाधिकारी ऐसे खुले बोर तथा कुओं व बावड़ी पर से उक्त प्रकार के अवैध निर्माण को विधिवत हटाकर पाटने की कार्यवाही की जावेगी। उक्त कार्यवाही ग्राम पंचायत व नगरीय निकाय के माध्यम से सुनिश्चित की जाय तथा उक्त कार्य में व्यय होने वाली सम्पूर्ण राशि भूमि स्वामी से वशूल की जाये। अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा ऐसे भूमि स्वामियों पर जिनके द्वारा निर्देशानुसार बोरवेल व कुएं पाटने के निर्देशों का पालन नहीं किया है, के विरुद्ध युक्तियुक्त आपराधिक एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जावे। उपरोक्तानुसार कार्यवाही 03 दिवस के अंदर की जाकर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें।

रीवा सीधी मार्ग होगा फोरलेन, विन्ध्य को मिली एक और ट्रेन की सौगात : सांसद

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने बताया कि रीवा सीधी शानदार सड़क बनने के पश्चात अब इसे फोरलेन करने की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही विन्ध्य को रीवा से भोपाल और भोपाल से रीवा के लिए एक नई ट्रेन की सौगात मिली है, यह सभी सौगाते संसदीय क्षेत्र की जनता के लिए सुखद और कल्याणकारी साबित होगी।

सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने कहा कि विगत दिनों केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी जी से मुलाकात कर रीवा से मोहनिया टनल तक फोरलेन करने एवं सिंगरौली-चितरँगी बगदरा एन एच - 135 सी लगभग 70किलोमीटर, 2 लेन में उन्नत करने की मांग की थी, जिसे

नितिन गड़करी जी ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

इस सौगातों के लिए सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी जी का आभार ज्ञापित करते हुए क्षेत्रवासियों को बधाई दी है।

सौगातों से आवागमन और अधिक होगा सुगम

सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने बताया कि विन्ध्य की चिर परिचित मांग भोपाल रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी एवं उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भोपाल-रीवा एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, इस हेतु समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई। रेवांचल एक्सप्रेस के अतिरिक्त भोपाल-रीवा के बीच एक और ट्रेन की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव , मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी एवं उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला जी का क्षेत्र वासियों की ओर से सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया है।

संस्कारवान, राष्ट्रभक्त पाठ्य एवं पाठ्येत्तर गतिविधियों में निपुण नागरिक बनना ही सच्ची स्काउटिंग है : पुष्पराज

विद्यालयों में अच्छा दल स्थापित कर राष्ट्रीय निर्माण में करें सहयोग : सुरेंद्र मणि

सीधी। भारत स्काउट एवं गाइड का सप्त दिवसीय शिक्षकों का ट्रेनिंग शिविर स्थानीय राव बल्देव पैलेस में संचालित है। शिविर के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघ संचालक, वरिष्ठ समाजसेवी पुष्पराज सिंह परिहार रहे। वही अध्यक्षता भारत स्काउट गाइड के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र मणि दुबे ने की। विशिष्ट रूप से शिविर संचालक डॉक्टर यश एन पांडे शहडोल, डॉक्टर शास्त्री प्रसाद मिश्रा, उपाध्यक्ष राम सिंह, सचिव हरिशंकर पांडे, उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए आरएसएस के विभाग संघचालक पुष्पराज

सिंह परिहार ने कहा कि इस स्काउटिंग सच्चे अर्थों में संस्कारवान, अनुशासनशील, राष्ट्रभक्त नागरिक तैयार करना, प्रमुख लक्ष्य है। विद्यार्थियों में बाल्य काल से ही राष्ट्रभक्ति, सामूहिक जीवन और पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों का ठीक ढंग से संचालन ही स्काउटिंग है। देश के प्रति अपने दायित्व एवं कर्तव्यों का सच्ची निष्ठा से निर्वहन ही राष्ट्रभक्ति है। इसका स्काउटिंग से छात्र एवं छात्राएं राष्ट्रीय बोध से परिचित होते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में सुरेंद्र मणि दुबे ने कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड के इस प्रशिक्षण शिविर में जिले के सभी ब्लॉकों से 76 शिक्षक एवं शिक्षिकाएं शामिल हुए हैं। प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने-अपने विद्यालयों में छात्र-छात्राओं का सुव्यवस्थित दल बनाकर स्काउटिंग प्रारंभ करेंगे। शिविर संचालक डॉक्टर यश एन पांडे ने शिविर में चल रही गतिविधियां की विस्तृत जानकारी दी। दिन भर चलने वाली शिविर की गतिविधियां जागरण से लेकर दीप निर्माण तक की साधना युक्त दिनचर्या के बारे में भी विस्तार से बताया। स्वागत भाषण डी ओ सी गाइड श्रीमती अजीता द्विवेदी ने किया। आभार प्रदर्शन प्रशिक्षक राजेंद्र मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव हरिशंकर पांडे ने किया। वर्ग गीत संजू चौधरी और उर्मिला सिंह ने गाया। इस अवसर पर प्रशिक्षक के पी सिंह सहित प्रशिणार्थी उपस्थिते। इसके पूर्व अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। स्काउट गाइड के पदाधिकारी द्वारा आए हुए अतिथियों का हल्दी चंदन लगाकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि पुष्पराज सिंह परिहार को डॉक्टर शास्त्री प्रसाद मिश्र द्वारा रचित पुस्तक भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। भारत स्काउट गाइड द्वारा अतिथियों का स्कॉर्प लगाकर स्वागत किया गया।

दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा व 15,000 रू. जुर्माना

सीधी। बताया गया कि अवयस्क अभियोक्त्री ने थाना अमिलिया में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह आरोपी अमरीश रजक उर्फ बाटला को 2 महीने से जानती है। दिनांक 18.10.2022 को समय करीबन 12ः00 बजे बाटला ने उसे फोन से घर के पास बुलाया तब वह 04ः30 बजे अपने घर से कुछ दूरी पर गई, जहां आरोपी आया और उसका हाथ पकड़ कर उसके साथ घूमने चलने के लिए बोला, अभियोक्त्री के मना करने पर आरोपी ने अभियोक्त्री को दो थप्पड़ मारे और उसे जबरदस्ती धुमा के पास जंगल में ले जाकर उसके साथ गलत काम (बलात्कार) किया और उससे बोला कि वह उससे शादी करेगा। आरोपी पीड़िता को अपने घर ले गया, वहां पर आरोपी के चाचा ने पीड़िता के भाई को फोन लगाकर बताया तब उसका भाई आकर उसे घर ले गया। उक्त रिपोर्ट पर थाना अमिलिया जिला सीधी में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र. 510/2022 अंतर्गत धारा 376(1), 323 भा.दं.सं. एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट का दर्ज किया गया एवं प्रकरण विवेचना में लिया गया। विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) सीधी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसके न्यायालयीन सत्र प्रकरण क्रमांक 178/22 में शासन की ओर से शसक्त पैरवी करते हुए जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती भारती शर्मा द्वारा मामला संदेह से परे प्रमाणित कराया गया। विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो एक्ट सीधी की न्यायालय के द्वारा अभियुक्त अमरीश रजक उर्फ अवनीश उर्फ बाटला पिता जयकिशोर रजक उम्र लगभग 21 वर्ष, निवासी ग्राम पहाड़ी थाना अमिलिया जिला सीधी (म0प्र0) को धारा 363, 376(1) भादवि के आरोप में कुल 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 15,000/- रू. अर्थदण्ड की सजा से दंडित किया गया। साथ ही अर्थदण्ड की कुल धनराशि रूपये 15,000/- रूपये (पन्द्रह हजार रूपये मात्र) अभियोक्त्री को धारा 357(1)(क) द.प्र.स. के प्रावधानों के अनुसार अपील अवधि पश्चात अपील न होने की स्थिति में अभियोक्त्री को क्षतिपूर्ति के रूप में प्रदान किये जाने का भी आदेश पारित किया गया।

नगर निगम द्वारा सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत किया गया जन जागरुकता

रीवा। निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार नगर निगम की आईईसी टीम द्वारा दिनांक 03.08.2024 को नगर निगम द्वारा शहर के वार्ड क्र. 41 टीआई मोहल्ला, वार्ड क्र. 42 पहलवान कालोनी, वार्ड क्र. 39 बंसल बस्ती, वार्ड क्र. 27 नेहरू बस्ती में जन जागरुकता अभियान चलाया गया। नागरिकों को बताया गया की अपने आस पास साफ सफाई रखें, जिससे वर्षाकाल में पनपने वाली बीमारियों को रोका जा सके। नागरिकों को समझाइश दी गई कि आपके घरों से जो कचरा निकलता है उसको बाहर न फेकें, उसको डोर टू डोर कचरा वाहन में ही दें। हम जितना अपने शहर को साफ और स्वच्छ रखेंगे उतना ही बीमारियो को दूर भगाएंगे नगर निगम द्वारा सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत 24 घंटे 7 दिवस हेल्पलाइन नम्बर 07662-254568 जारी किया है। जिसमे नागरिकों द्वारा सफाई से संबंधित किसी भी शिकायत को दर्ज़ कराकर तुरन्त निराकरण प्राप्त किया सकता है। इस अभियान के तहत बारिश के मौसम में पनपने वाली संक्रामक बीमारियो से बचने हेतु झुग्गी बस्तियों में विशेष अभियान चलाया गया। उक्त गतिविधि में आईईसी टीम के साथ नागरिकगण उपस्थित रहे।

शून्य काल के दौरान सांसद ने संसद में चिकित्सा के संबंध में मेडिकल, नौकरी आदि के उठाए मुद्दे

गली चौराहे में हो रही भरपूर प्रशंसा

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद जाने माने चिकित्सक डॉ राजेश मिश्रा ने लोकसभा में शून्य काल के दौरान मध्य प्रदेश में पीएम श्री आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए निःशुल्क एयर एंबुलेंस सेवा प्रारंभ करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य विभाग से सम्बंधित विभिन्न माँगे की।

भाषण बना चर्चा का विषय, जनता कर रही तारीफ

सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा का संसद में दिया गया भाषण गली मोहल्ले और चौराहों में चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसे जनता खूब सराह रही है। जिले को चिकित्सा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने सदन में कोविड काल में जिन पैरा मेडिकल स्टॉफ ने अपनी जान जोखिम में डाल कर सेवाएं दी है, उन्हें शासकीय सेवा में प्राथमिकताएं देने जाने की दिए जाने की भी मांग की। सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने शून्य काल के दौरान सीधी जिले में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को अति शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की, जिसे उपस्थित सदस्यों ने मेज थपथपाकर समर्थन व्यक्त किया। साथ ही सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने रीवा में कैंसर हॉस्पिटल खोले जाने हेतु मांग रखने के साथ ही थेलसीमिया एवं हिमोफिलिया का उपचार शासकीय खर्च से हो, जिससे मरीज के परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिल सके।

नाबालिग के साथ छेड़छाड़ के आरोपी को 3 माह की सजा

सीधी। बताया गया कि दिनांक 19.12.2022 को लगभग 11ः00 बजे अभियोक्त्री की माँ अपने पति के साथ मझौली बैंक आई हुई थी और बैंक से काम करा कर अपने पति के साथ करीब 12ः00 बजे घर पहुंची और देखी कि उसकी लड़की/अभियोक्त्री उम्र 06 वर्ष घर पर नहीं थी, घर का दरवाजा बाहर से बंद था और बगल के भूसा वाले कमरे में अभियुक्त रामसिया साकेत उसकी लडकी के साथ दुष्कर्म के इरादे से घुसा था और दरवाजा अंदर से बंद किया था। तब वह उसे पकड़ कर बाहर ले आई और पूछने लगी कि वह सूने घर में उसकी लड़की को लेकर अंदर क्यो घुसा था, इतने में आरोपी हाथ झटक कर पास में रखे फावड़े के बेंट से उसे मारा, जिससे उसके गांवा से खून बहने लगा, हल्ला गोहार करने पर आरोपी वहां से भाग गया। घटना की सूचना पर थाना मझौली में अभियुक्त के विरुद्ध अपराध क्र. 1229/2022 अंतर्गत धारा 354(क), 451, 342, 323 भा.दं.सं. एवं 9एम/10 पॉक्सो एक्ट की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई एवं प्रकरण में विवेचना में लिया गया एवं विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) सीधी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसके न्यायालयीन सत्र प्रकरण क्रमांक 38/23 में शासन की ओर से शसक्त पैरवी करते हुए जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती भारती शर्मा द्वारा मामला संदेह से परे प्रमाणित कराया गया।

युवक को पीटकर मौत के घाट उतारने वालों के घर पर चला बुलडोजर

सीधी। एमपी में सीधी की मड़वास में कुछ लोगों ने युवक को मौत के घाट उतार दिया। स्वजन आरोपितों को नामजद करने के साथ ही इनके घर पर बुलडोजर चलाने की मांग को लेकर अड़े थे। स्वजन बोले युवक को इतना पीटा कि उसकी आंखें भी फोड़ दीं। दर्द से कराहते हुए दम तोड़ दिया।हिनौता छादा में शव रखकर सुबह से धरना प्रदर्शन के आगे प्रशासन को भी झुकना पड़ा। पुलिस ने चारों आरोपितों के घर को गिराने की कारवाई की है। घर के सामने वाले हिस्से को जेसीबी मशीन से गिरा दिया गया है। यह कार्रवाई शुरू होने के बाद अंतिम संस्कार किया गया।

आरोपित जिस दौरान मृतक से मारपीट कर रहे थे। उसे दौरान राजेश कुशवाहा के स्वजन वीडियो बना रहे थे रात होने के कारण वीडियो नहीं बन पाया। लेकिन आरोपितों द्वारा बातचीत रिकॉर्ड हो गया है। पुलिस ने इसे अपने पास रखा है।

राजेश कुशवाहा ने बताया कि नारायण मिश्रा शाम करीब आठ बजे मेरे घर आएं। धान रोपाई को लेकर मजदूर ढूंढने की बात कर रहे थे। इसी दौरान आरोपित घर के बाहर लाठी डंडा लेकर आ गए और अंदर घुसकर मारपीट करने लगे। इस दौरान मुझसे भी मारपीट किया।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में मौजूद लोग मांग कर रहे थे कि कार्रवाई होने के बाद ही अंतिम संस्कार करेंगे। इधर, पुलिस तीन लोगों को दबोच कर पूछताछ

करने में जुटी रही। मोहल्ले में ही आरोपित रहते हैं। आपस में उनके घर की दूरी पांच सौ मीटर है।

मंगलवार की शाम नारायण पुत्र भास्कर द्विवेदी 44 वर्ष निवासी हिनौता घर से कुछ दूर कुशवाहा के घर जाकर धान लगाने के लिए मजदूर ढूंढने की कर रहे थे। इसी दौरान तीन की संख्या में लाठी डंडा लेकर आरोपित पहुंच गए। और उसे घर के बाहर बुलाया था।

हिनौता छादा में बुधवार सुबह से ही स्वजन शव लेकर धरना प्रदर्शन करना शुरू कर दिया था। धीरे-धीरे प्रदर्शन करने वालों की संख्या में बढ़ोतरी होती जा रही। बोल रहे-हमें न्याय चाहिए। प्रदर्शन करने वालों का कहना है कि जब तक मांगें पूरी नहीं तब तक शव नहीं उठाने देंगे। युवक के स्वजन बोले-मेरे घर की जान गई है। आरोपितों को फांसी की सजा मिलना चाहिए। लोगों की भीड़ जुटती देखकर तीन लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी।

कुशवाहा के मना करने पर जब युवक घर से नहीं निकला तो एक आरोपित घर के अंदर घुसकर मारपीट करने लगा। उसे बाहर खींच लिया। सभी ने मिलकर मारपीट करने लगे। जान बचाकर घर की ओर भागने लगा बीच रास्ते में करीब 20 लोग लाठी डंडे लेकर खड़े हो गए। तब तक मारा जब तक मौत नहीं हो गई। इस दौरान बीच बचाव में कुशवाहा के साथ भी मारपीट हुई।

बताया गया है कि घटना की जानकारी लगते ही एसडीओपी रोशनी ठाकुर, थाना प्रभारी दीपक बघेला, चौकी प्रभारी केदार परौहा सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया।

इनका कहना है

युवक की मारपीट के दौरान मौत हुई हैं। आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अवैध रूप से तैयार घर के हिस्से को गिरा दिया गया है।

अरविंद श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीधी

संपादकीय

कोई कोना न रहे अछूता

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षण की व्यवस्था से जुड़े एक मामले में गुरुवार को फैसला दिया कि राज्य सरकारें इन श्रेणियों में उपश्रेणियां बना सकती हैं ताकि इनमें ज्यादा पिछड़ी जातियों के लिए सब-कोटा निर्धारित किया जा सके। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। यह इस सवाल से जुड़ा है कि एससी/एसटी के तहत आने वाले समूहों को एक समान माना जाना चाहिए या नहीं। 2004 में चर्चित ईवी चिन्नैया मामले में सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यों की पीठ ने फैसला दिया था कि इन कैटिगरी में सब-कैटिगरी नहीं बनाई जा सकती। मगर सात सदस्यों की बेंच ने ताजा फैसले में इसे पलट दिया। चूंकि इस सवाल पर देश में अलग-अलग और काफी तीखी राय देखी जाती रही है, इसलिए फैसले के संभावित असर को लेकर कयासबाजी शुरू होना स्वाभाविक है। सच यही है कि रिजर्वेशन की व्यवस्था का फायदा भी एससी/एसटी कैटिगरी के तहत आने वाली सभी जातियां समान रूप से नहीं उठा सकीं। ताजा फैसला इस सचाई को स्वीकार करते हुए राज्य सरकारों के लिए यह गुंजाइश बनाता है कि वे इस व्यवस्था का फायदा उन तबकों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें जिन तक यह ठीक से नहीं पहुंचा है। अच्छी बात यह है कि कोर्ट ने उन आशंकाओं को नजरअंदाज नहीं किया, जो इस फैसले से जुड़ी हैं। फैसले में साफ कर दिया गया है कि किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण स्पष्ट और भरोसेमंद डेटा के ही आधार पर किया जा सकता है। देखा जाए तो इस शर्त के जरिए फैसले का संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। यह फैसला इस लिहाज से भी याद रखा जाएगा कि मसले की जटिलता की झलक पीठ के सदस्यों की अलग-अलग राय में भी मिलती है। ऐसे उदाहरण कम मिलते हैं कि 6-1 के बहुमत से दिए गए फैसले में भी छह ओपिनियन सामने आएं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी तो बहुमत की राय से असंतुष्ट रहीं, लेकिन जो छह जज बहुमत की राय से सहमति रखते हैं, उनके भी पांच अलग-अलग फैसले आए।

बूंदों से सुगंधियों तक सुंदर सावन

वर्षा बूंदों का, अनुपम सावन का हमारे यहां बहुत महत्व रहा है। हम सावन आने से पहले ही, आषाढ़ भी आने से पहले ही प्रतीक्षा करते रहते हैं कि बादल आएंगे और अच्छी वर्षा होगी। कुछ नहीं बदला है। कारण यह है कि यह ऋतु बहुत महत्व रखती है। आप आसपास देखिए, कैसे कितने अंकुर उग आए हैं, नीम के सुंदर पौधे उग आए हैं। सावन तो है ही ऐसा महीना, जब वर्षा ऋतु अपने सुंदरतम रूप में और चरम पर होती है। बूंदों की रह-रह आहट होती है, कभी जोरदार बारिश होती है और हम इसकी भी कामना करते हैं कि ये बारिश साथ रहे, प्रकृति का सब कुछ धुल जाए, पर हमें झूलने का अवसर भी दे। आज भी लोगों के जीवन में झूलों का महत्व है। देश में कहीं भी चले जाइए, झूलों का महत्व सावन में बढ़ जाता है।

(प्रयाग शुक्ल, कवि और कला मर्मज्ञ)

हम सब स्वयं अनुभव करते हैं कि सावन सबसे अच्छा समय है। समकालीन कला में भी सावन का गहरा असर हम देखते हैं। बात चित्रकला की हो या नृत्यकला की। लोक कलाओं में तो सावन का बहुत असर है। तमाम लोकगीतों में सावन किसी न किसी रूप में प्रस्तुत होता है। बूंदों, बादल, बारिश को लेकर असंख्य लोकगीत हैं, जो आज भी जगह-जगह गाए जाते हैं। हमारे बाकी मनोरंजन के साधनों में भी सावन खूब निखर कर सामने आता है। फिल्म मिलन का वह गीत - सावन का महीना पवन करे शोर, जियरा रे ऐसे झूमे, जैसे बनमा नाचे मोर। यह गीत भला कौन भूल सकता है और सावन के इंतजार का वह गीत, तुम्हें गीतों में ढालूंगा, सावन को आने दो। ये गीत हमें आज भी मुग्ध कर देते हैं, क्योंकि ये जो सावन की ध्वनि है, यह जो हमारी स्मृति में बसा हुआ सावन है, वह सारी चीजें अपने आप ले आता है। सरोवर सराबोर हो रहे हैं, नदियां उफान पर हैं, ऊपर मेघ छाए हुए हैं। ऐसे मेघ छाए हुए हैं, जिनको लेकर गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है - जब सीता बिछुड़ गई हैं और तब राम जी अकेले हैं- घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा।। जब बादल आते हैं, गरजते हैं, बरसते हैं, बिजली चमकती है, तब ईश्वर भी अकेले रहना नहीं चाहते। सावन में किसी न किसी का साथ चाहिए, स्नेह चाहिए।

महानगरों में तो सावन का उतना असर नहीं रहा, पर कस्बों में अभी भी सावन झूमकर आता है। गांवों, खेतों में हम क्या दृश्य देखते हैं, खाने पीने के दृश्य, व्यंजन बनने के मोहक दृश्य, हर जगह महकती चाय, पकौड़े। अभी मैं मध्य प्रदेश में था, वहां पोहा-जलेबी का कितना आनंद है! वर्षा ऋतु में यह आनंद और बढ़ जाता है। धर्म-कर्म भी बढ़ जाता है। हम सब जानते हैं कि सावन और सावन में भी सोमवार का क्या महत्व है। लोग किस उत्साह से भगवान शिव की पूजा करते हैं। कांवड़ यात्रा निकलती है। एक तरह से समाज का हर वर्ग किसी न किसी तरह से वर्षा ऋतु के आने का उत्सव मनाता है। प्रकृति के शृंगार में शामिल होना ही सावन है। अभी मैंने ग्वालियर में सुना एक लोक गायिका चंदन तिवारी को, कजरी, दादरा, ठुमरी, उन्होंने सब सुनाया। नाना विधियों से इस मौसम में हम उत्सव मनाते रहे हैं, अपने सुगम संगीत से शास्त्रीय संगीत तक। ऐसे मौसम में गायन, वादन श्रवण का आनंद बहुत बढ़ जाता है। कजरी तो सावन से कितनी ज्यादा जुड़ी हुई है, इसका लंबा इतिहास है। गिरिजा देवी जी की याद आती है, सावन में अनेक प्रियजनों की याद आती है। जिन लोगों ने भी हमारे जीवन में रस भरा है, उनकी याद आती है।

आप देखिए, मीठे रसीले आम का भी यही मौसम है। अभी ही मैं ग्वालियर में आम उत्सव मनाकर लौटा हूं। सावन में आम के दिन अभी हैं और पंद्रह-बीस। आमों के विविध प्रकार हैं, उन सभी को देख-देखकर भी खुशी होती है। अपने देश में आमों पर ही कितना लिखा गया है।

जैसे आम की याद साल भर बनी रहती है, ठीक उसी तरह सावन के गीतों की याद भी साल भर बनी रहती है। पूरे साल में पसर जाता है सावन, वह हर मौसम-महीने याद आता है। ऐसे सावन का उत्सव केवल सावन में ही नहीं मनाया जाता, लोग अपनी स्मृतियों में भी सावन मनाते रहते हैं। जब वर्षा ऋतु आती है, उससे भी पहले हम सावन की कल्पना करने लगते हैं। देखिए, हमारे देश में ऋतुओं का यह अद्भुत बंटवारा। बसंत ऋतुराज है, तो बहुतों के लिए सावन बहुत महत्व रखता है। आषाढ़ भी किसी को पसंद है। कालिदास जी ने लिखा ही है आषाढ़स्य प्रथम दिवसे।

हां, आज सावन या अन्य ऋतुओं में नई पीढ़ी का दिलचस्पी उतना नहीं रह गई है, तो इसमें हमारा भी दोष है। हमने युवाओं को बताया नहीं है, वे नहीं जानते हैं। पुरानी पीढ़ी ने तो सावन को अलग तरह से देखा है, झूलों का जो आनंद कभी हमने सावन में उठाया है, उसे हम कभी भूल नहीं सकते। अभी भी झूले लहराते हैं, पर अब कम हो गए हैं। हमारे पूरे सांस्कृतिक, सामाजिक जीवन में सावन खास है। अमराई की बात कीजिए, तो उसकी भी याद आती है। अमराई का मतलब ही यह है कि हमारा एक सामूहिक जीवन था। आम का बाग है, उसमें से सब गुजर सकते हैं, कोई आम टपका हुआ मिले, तो सब खा सकते हैं। वर्षा की बूंदों को भी आप देखिए, तो पेड़ों से झर रही हैं। उनका झरना, पेड़ों का धुल जाना अपूर्व है। इन सब चीजों को अनुभव करने का समय ऐसा लगता है कि हमारे महानगरों के लोगों के जीवन में उतना नहीं रहा। वह लौटे, ऐसी कामना करता हूं।

मेरा तो जीवन ही ऋतुओं के सहारे चलता है, ऋतुओं की सुगंधियों के सहारे चलता है। सावन में ही देखिए, गीली मिट्टी से कैसी खुशबू उठ रही है। वनस्पतियों से किस तरह नाना विधि सुगंधियां निकल रही हैं। एक मिली-जुली महक भी उठ रही है! बहुत अच्छी लग रही है। हर ऋतु के अपने फल, फूल हैं, तो सावन के भी अपने फल, फूल हैं। अज्ञेय की कविता रात सावन की अभी बहुत याद आ रही है, उसे फिर गुनगुना लेना चाहिए- रात सावन की / कोयल भी बोली / पपीहा भी बोला/ मैंने नहीं सुनी / तुम्हारी कोयल की पुकार / तुमने पहचानी क्या / मेरे पपीहे की गुहार / रात सावन की / मन भावन की / पिय आवन की / कुहू-कुहू / मैं कहां - तुम कहां - पी कहां! (ये लेखक के अपने विचार हैं)

हनियेह की हत्या से क्या हार जाएगा हमास

(अश्विनी महापात्र, प्रोफेसर, जेएनयू)

पहले हिजबुल्लाह कमांडर फउद शुकर और उसके चंद घंटे बाद ही हमास नेता इस्माइल हनियेह को मार गिराने की घटना क्या पश्चिम एशिया को और अस्थिर करेगी? वास्तव में, लेबनान और ईरान में हुई इन दोनों कार्रवाइयों में कोई तारतम्य नहीं है, सिवाय इसके कि ये दोनों आतंकी समूह इजरायल के खिलाफ आक्रामक रहे हैं। हिजबुल्लाह लेबनान सीमा से लगातार सक्रिय रहा है, और फउद शुकर की मौत को उस गोलान हाइट्स हमले का जवाब बताया गया है, जिसमें हिजबुल्लाह आर्तकियों ने मिसाइल हमले से फुटबॉल खेल रहे इजरायली बच्चों को निशाना बनाया था। जबकि, हमास गाजापट्टी से आक्रामकता दिखाता रहा है। 7 अक्तूबर, 2023 की घटना के बाद तो हमास और इजरायल के बीच शह-मात का मानो निर्णायक खेल चल रहा है।

बेशक, इस्माइल हनियेह पर हमले की इजरायल ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन हमास के शीर्ष नेताओं के खिलाफ वह ऐसी कार्रवाइयां करता रहा है। इसकी शुरुआत 2004 से हुई, जब हमास के संस्थापक शेख अहमद यासीन को अहले सुबह मस्जिद से बाहर आते ही मार गिराया गया। इसके बाद दूसरे नंबर के नेता माने जाने वाले अब्दुल अजीज अल-रंतीसी को भी इसी तरह मिसाइल हमले से ढेर किया गया। माना गया था कि इससे हमास कमजोर पड़ जाएगा, लेकिन इस्माइल हनियेह ने पहले बतौर प्रधानमंत्री और फिर 2017 में स्वेच्छा से पद छोड़ते हुए कतर, तुर्किये ईरान जैसे कई देशों से समर्थन जुटाने में सफलता प्राप्त की। इजरायल की सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देते हुए उन्होंने हमास को हथियार भी दिलवाए और रसद-सामग्रियां भी। इसी के कारण वह लंबे अरसे से इजरायल की आंखों में खटकने लगे थे, जिसकी परिणति उनकी हत्या के रूप में सामने आई है।

सवाल है, अब आगे क्या होगा? इस हत्या की कई तरह से व्याख्या की जा रही है। एक सोच यह है कि हमास नेता को पहले भी इसी तरह मारा जाता रहा है और चूंकि यह एक कट्टर इस्लामी जमात है, इसलिए बड़े और मित्र-देश शायद ही खुलकर उसका साथ देंगे। वैसे भी, इजरायल को तभी घेरा जा सकेगा, जब वह इसकी जिम्मेदारी लेगा, लेकिन उसके पूर्व के रिकॉर्ड को देखते हुए इसकी संभावना नहीं लगती। यदि कोई कमेटी बनाकर इजरायल को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया भी गया, तो हो सकता है कि सुरक्षा मसला बताकर वह इस हमले को जायज ठहराए। उसका यह तर्क काम भी करेगा, क्योंकि हमास की हिंसक गतिविधियां जगजाहिर हैं।

दूसरा तर्क यह है कि हमास के मित्र-देश इस हत्या को लेकर राजनीतिक रूप से नाराजगी दिखाएं। इजरायल के खिलाफ इन देशों ने ही हमास को खड़ा किया है। मगर दिक्कत यह है कि पिछले दस महीने से जारी इजरायली हमलों में हमास बिखर-सा गया है। उसके नेता जहां-तहां छिपे हुए हैं और उसके प्रति स्थानीय लोगों का समर्थन भी घट रहा है। यही कारण है कि ईरान या तुर्किये जैसे देश छद्म रूप से जवाबी कार्रवाई को आगे बढ़ा सकते हैं।

तुर्किये ने तो कुछ दिनों पहले इजरायल के घर में घुसने की धमकी भी दी थी, लेकिन इजरायल ने भी जवाब देने में देरी नहीं की। अब उसकी प्रतिक्रिया क्या रहती है, यह देखने वाली बात होगी। हां, तेहरान सीधी कार्रवाई कर सकता है, क्योंकि हनियेह बतौर सरकारी मेहमान उसके यहां आए थे, जहां उनको मार गिराया गया है। पिछले साल दमिश्क हमले में अपने दो सैन्य कमांडरों को खोने के बाद उसने इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया भी था।

मगर ऐसी किसी जवाबी कार्रवाई के अपने नुकसान भी हैं। दरअसल, कोई भी देश क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाना नहीं चाहता। यह उनके लिए घाटे का सौदा हो सकता है, क्योंकि ईरान हो या तुर्किये, किसी की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। यह देखते हुए कि अब सीधी जंग लंबी चलने लगी है, कोई भी नया मोर्चा खोलने से इन देशों की अर्थव्यवस्था कमजोर ही होगी। इतना ही नहीं, इन दिनों पश्चिम एशियाई देशों में आंतरिक उथल-पुथल भी तेज है। ईरान न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों में उलझा हुआ है, बल्कि पिछले दिनों उसने अपने राष्ट्रपति को भी खो दिया। वहां नौजवानों की अपनी सरकार से नाराजगी भी बढ़ रही है, जिसे थामना उसके लिए एक बड़ी चुनौती है। वहीं तुर्किये में राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की लोकप्रियता लगातार गिर रही है। सऊदी अरब जैसे तेल बहुल खाड़ी के देश भी किसी नए तनाव के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि इससे उनकी तेल की आपूर्ति शृंखला प्रभावित हो सकती है और उनको आर्थिक घाटा हो सकता है।

वैसे, इन कार्रवाइयों पर खुद इजरायल के अंदर भी मतभेद हैं। वहां की राजनीति इस मसले पर बंटी हुई है। विपक्ष का आरोप है कि नेतन्याहू सरकार ऐसा करके न सिर्फ हमास के कब्जे में फंसे इजरायलियों के जीवन से खेल रही है, बल्कि देश में आक्रामक माहौल बनाए रखकर सियासी लाभ लेना चाहती है। मगर प्रधानमंत्री नेतन्याहू इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं। हालांकि, उनका जनाधार भी इन दिनों कम हुआ है।

इन सबसे अमेरिका की स्थिति अजीबोगरीब हो गई है। इजरायल-हमास युद्ध रुकवाने के लिए उसने कूटनीतिक पहल तेज कर दी थी। इजरायल को मिलने वाली मदद को रोककर उसने नेतन्याहू पर दबाव बनाने की भी कोशिश की थी। मगर इन हमलों के बाद शांति के सभी प्रयास बेपटरी हो गए हैं। अब नजर इस बात पर बनी रहेगी कि कैसे बाइडन प्रशासन इजरायल को शांति की राह पर चलने को मजबूर कर पाता है?

जाहिर है, पश्चिम एशिया में हाल-फिलहाल कोई बड़ी उथल-पुथल नहीं होने वाली। हां, हमास कुछ हद तक प्रतिरोध कर सकता है, लेकिन वह कितना बड़ा होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता। इजरायल ऐसी कार्रवाइयों से भले हमास का सांगठनिक ढांचा खत्म कर दे, लेकिन जब तक वैचारिक रूप से उसे खत्म नहीं किया जा सकेगा, तब तक इस आतंकी समूह का सफाया नहीं हो सकता। यही कारण है कि दुनिया के तमाम शांतिप्रिय देश वार्ता की मेज पर ऐसे मसले का हल तलाशने की बात कहते रहे हैं। कोई भी राष्ट्र इस तरह की कार्रवाई को जायज नहीं ठहरा रहा। हालांकि, सच यह भी है कि ताकतवर देश अपने दुश्मनों के खिलाफ ऐसे गुप्त अभियान करते रहे हैं।

वर्ग पहेली 5451

1	2	3		4	5	■	6
7			■	8		9	
10			■		■	11	
■		■	12		13	■	■
14	■	15	■	16		17	■
18	19		20	■	21		
22		■	23	24	■		■
25					■	26	

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस प्रसिद्ध हास्य कवि की जन्म तारीख व निधन होने की तारीख एक ही है जन्म 18 सितंबर व निधन 18 सितंबर (6)
7. राजीव, पुरानी फिल्मों के गीतकार (3)
8. भगवान श्रीगणेश के नामों में से एक (4)
10. गीत, तराना (3)
11. हृदय, मन, अंतःकरण (2)
12. परस्पर निर्वाह करना, बुहारना (3)
16. शोधलेख, शोधपत्र, शोधरचना (3)
18. यह सुप्रसिद्ध कवि कालिदास की एक प्रसिद्ध दूत काव्य है (4)
21. शब्द, वाणी, बोली (3)
22. पुराणानुसार पांचवां लोक जहां मनुष्य रहते है, सर्वसाधारण (2)
23. यह कृष्ण-भक्ति शाखा की प्रमुख कवयित्री है (2)
25. दीवार में छेद करके या सेंध लगाके चोरी करने वाला (5)
26. श्रीराम के भाई भरत के ज्येष्ठ पुत्र का नाम जिन्होंने गांधार में तक्षशिला नगरी स्थापित की थी (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. विवाह के पूर्व कुमारी अवस्था में उत्पन्न हुआ पुत्र (3)
2. असर पैदा करने वाला, प्रभाव करने वाला (4)
3. पाचन क्रिया, पाचन शक्ति (3)
4. सूर्य का सारथी होने के कारण अरूण का एक नाम (5)
5. टांका मारना, सिलाई करना, वक्षस्थल (2)
6. समस्त, कुल, सब (3)
9. अगर, जो (2)
13. महाराष्ट्र का यह शहर गोदावरी नदी के समीप स्थित है, पंचवटी वन इसके समीप है (3)
14. दक्षिण अमेरिका में बहने वाली विश्व की सबसे बड़ी नदी (4)
15. पिता के पिता को यह कहा जाता है (2)
17. हिफाजत से रखा हुआ, सुरक्षित(4)
19. गड़गड़ाहट, गर्जन, मेघनाद (3)
20. शिष्टता, विवेक, सभ्यीकरण (3)
24. जंघा, जांघ (2)

वर्ग पहेली 5450 का हल

म	ले	शि	या	■	शा	य	द
हे	■	का	ता	■	द	क्ष	■
श	ह	र	या	र	■	■	वा
भू	ल	■	त	ह	की	का	त
प	क	ना	■	म	ल	य	ज
ति	■	म	■	दि	■	र	■
■	■	व	की	ल	■	■	मू
पु	का	र	ना	■	ने	पा	ल

तकनीकी व्यवहार में मारकोनी से बहुत बेहतर वैज्ञानिक बोस

(राहुल मथान, साइबर विशेषज्ञ)

साल 1901 के अंत में वैज्ञानिक गुग्लिल्मो मारकोनी ने एक महत्वाकांक्षी प्रयोग करने की ठानी। उस समय माना जाता था कि चूंकि विद्युत चुंबकीय तरंगें (जैसे प्रकाश) सीधी रेखाओं में यात्रा करती हैं, इसलिए रेडियो तरंगों का उपयोग बड़ी दूरी तक संदेश पहुंचाने के लिए नहीं किया जा सकता है। तब मारकोनी ने चुनौती स्वीकार की और इस प्रचलित मान्यता को गलत साबित करने में वह जुट गए। उन्होंने ब्रिटेन के कॉर्नवाल में एक विशाल (70 मीटर ऊंचा) शंकु एंटीना लगाया। अटलांटिक महासागर, 12 दिसंबर, 1901 को दोपहर 12:30 बजे, मारकोनी ने सिग्नल हिल के रिसीविंग स्टेशन पर (मोर्स कोड में 'एस' अक्षर के अनुरूप) अपने हेडफोन पर तीन हल्की, पर स्पष्ट 'क्लिकें' सुनीं। इसके साथ उन्होंने साबित कर दिया कि अटलांटिक महासागर के पार वायरलेस से संचार संभव है और ऐसा करके उन्होंने आधुनिक दूरसंचार क्रांति का आगाज कर दिया।

आज भले ही मारकोनी को रेडियो संचार के आविष्कारक के रूप में श्रेय दिया जाता है, पर मारकोनी का संदेश प्रसारित करने का प्रयोग भारत के महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस के योगदान के बिना संभव न था। साल 1899 में ही बोस ने 'आयरन-कर्करी-आयरन कोहेरर' का आविष्कार कर लिया था। यह पहला उपकरण था, जो लगातार रेडियो फ्रीक्वेंसी संकेतों का पता लगाने में सक्षम था। गौर कीजिए, यह निरंतर सिग्नल प्रोसेसिंग क्षमता आज भी आधुनिक मोबाइल संचार उपकरणों की एक महत्वपूर्ण विशेषता बनी हुई है। ऐसा बड़ा आविष्कार करने के बावजूद जगदीश चंद्र बोस ने अपने आविष्कार को पेटेंट कराने से इनकार कर दिया था, क्योंकि उनका मानना था कि किसी भी वैज्ञानिक ज्ञान का संसार में खुले तौर पर आदान-प्रदान होना चाहिए। बोस की इस परोपकारी सोच की वजह से ही मारकोनी एक सुसंगत डिजाइन को अपने सिग्नल हिल रिसीविंग स्टेशन में जोड़ने में सक्षम हुए थे। बोस से लाभ लेते हुए मारकोनी ने जो किया, वह अब इतिहास है।

मारकोनी ने लाभ तो लिया, पर बोस के योगदान को किसी रूप में मानने से इनकार कर दिया। और तो और, वह सुसंगत तकनीक उन्हें कहां से मिली, इसका जान-बूझकर उन्होंने विवरण स्पष्ट नहीं किया। जाहिर है, मारकोनी की सोच बोस से मेल नहीं खाती थी। मारकोनी का प्रयोग जैसे ही सफल हुआ, उन्होंने रेडियो संचार तकनीक के व्यावसायिक महत्व को समझ लिया। उन्होंने न सिर्फ अपने आविष्कार पर सभी पेटेंट अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए बहुत कष्ट उठाया, बल्कि उन्होंने अपने अधिकारों की आक्रामकता के साथ रक्षा भी की।

मारकोनी ने अपने उपकरणों को बेचने से इनकार कर दिया और इस बात पर जोर दिया कि उनके ग्राहक उनसे उपकरण खरीदने के बजाय पट्टे पर लें। मारकोनी ने यही कोशिश की कि रेडियो बाजार में केवल उनका एकाधिकार रहे, किसी भी अन्य कंपनी को अपने उपकरण स्थापित करने का मौका न मिले। मारकोनी के लिए इस बात का कोई महत्व नहीं था कि उनका व्यावसायिक व्यवहार रेडियो प्रौद्योगिकी क्षेत्र में व्यापक वैज्ञानिक अनुसंधान में बाधक बनेगा। इसका नुकसान यह हुआ कि रेडियो प्रौद्योगिकी में नवाचार थम गया। लगभग 1912 तक एक तरह की तकनीक का ही इस्तेमाल होता रहा। ध्यान दीजिए, हमेशा नवाचारों पर ही आविष्कार निर्भर करते हैं। वैज्ञानिक तरक्की तभी होती है, जब वैज्ञानिक सहयोग का स्वतंत्र परिवेश होता है, बौद्धिक संपदा कानून ज्यादा बाधक नहीं बनता है।

आज का राशिफल

मेष
आज कार्यक्षेत्र में लाभ से भरा होगा और कुछ बड़े परिवर्तन होने से आपका मूड खुश होगा। आपको दूसरों की मदद करने करनी पड़ेगी और ऐसा करने से आप खुश होंगे और आपको सुकून मिलेगा। आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। आप अपने सद्व्यवहार से माहौल को खुशनुमा बना लेंगे।

वृषभ
आज दिन सम्मान से भरा होगा और भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलने से पूरा दिन प्रसन्नता में बीतेगा।इ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। सांयकाल के समय चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन का हर्ष होगा। रात्रि में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होने से आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन
आज दिन शुभ है। आपके घर में आपकी इज्जत और बढ़ेगी। पिता के आशीर्वाद और उच्चाधिकारियों का साथ मिलने से आपकी तरक्की होगी और धनवान बनेंगे। संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन सफलता मिलने से थकान का अहसास नहीं होगा।

कर्क
आज दिन लाभ और सम्मान से भरा होगा। आपके लिए शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आय के नए स्रोत बनेंगे और आपको विशेष सम्मान की प्राप्ति होगी। भागदौड़ विशेष रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सावधान रहें।

सिंह
आज आपको राजनीतिक क्षेत्र में मनचाही सफलता मिलने से आपका दिन खुशी में बीतेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति करने से आपका मन संतुष्ट रहेगा। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और ऑफिस के लोगों के बीच में आपकी इमेज बेहतर होगी। आपका कोई रुका कार्य पूर्ण होने से मन काफी प्रसन्न रहेगा।

कन्या
आज लाभ होगा। आपका रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा और आपके धन में वृद्धि होगी। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर क्रोध पर काबू रखें। राजकीय मदद भी मिलेगी। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने के योग हैं। आपके धन में वृद्धि होगी और आपके कार्य सफल होंगे। आपका दिन सुख समृद्धि से भरा होगा और कार्य संपन्न होंगे।

तुला
आज करियर में शानदार सफलता प्राप्त करने का दिन है। आपको अकस्मात बड़ी मात्रा में धन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। कोष की स्थिति बेहतर होगी और आपके मुनाफे में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी और मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी।

धनु
आज दिन अधिक खर्च वाला रहेगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी के कारण तनाव बढ़ सकता है। कारोबार में पार्टनर्स के साथ रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। दिन में कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं इसमें अन्ततः आपकी विजय हो जाएगी।

कुंभ
आज दौड़भाग अचानक से बढ़ सकती है और आपके लिए खर्च की स्थिति अधिक रहेगी। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय उसके बारे में अच्छे से जांच लें। सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। आपके परिवार के सदस्य की सेहत में सुधार होगा। शाम के वक्त कहीं परिवार के साथ आप घूमने फिरने का कार्य कर सकते हैं। पूर्ण स्वस्थ होने में समय लगेगा।

वृश्चिक
आज लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका कार्य पूर्ण होगा। प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सांयकाल प्रियजनों से भेंट एवं रात्रि में सैर सपाटे मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा।

मकर
आज दिन शुभ है और व्यवसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने से हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलन में बेहतर होगी। अगर आप व्यवसाय परिवर्तन की योजना बना रहे हैं तो इसको कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे।

मीन
आज करियर में लाभ होगा। किसी काम से यात्रा भी हो सकती है। बिजनस में बढ़ती प्रोग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। शाम के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आपका दिमाग भी रिलैक्स होगा। माता-पिता की सलाह आशीर्वाद उपयोगी सिद्ध होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे।

संक्षिप्त समाचार

जनकपुरी वेस्ट से आरके आश्रम कॉरिडोर का पहला सेक्शन तैयार; इन इलाकों को होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्लीवालों के लिए एक बड़ी गुड न्यूज है। दिल्ली मेट्रो फेज चार में बन रहे जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम तक 28.92 किलोमीटर कॉरिडोर का करीब ढाई किलोमीटर हिस्सा परिचालन के लिए तैयार है। इस कॉरिडोर पर ट्रायल पूरा हो चुका है, सुरक्षा जांच के लिए मेट्रो रेल सुरक्षा कमिश्नर दौरा भी कर चुके हैं। सीएमआरएस से हरी झंडी मिलते ही परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। मेट्रो आधिकारियों के मुताबिक, अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो 20 अगस्त तक इस कॉरिडोर पर भी मेट्रो ट्रेन का परिचालन शुरू होने की संभावना है। मेट्रो फेज चार में जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम मौजूदा मजेंटा लाइन (बॉटेनिकल गार्डन से जनकपुरी पश्चिमी) की एक्सटेंशन लाइन है। इस कॉरिडोर पर जनकपुरी से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन मेट्रो फेज चार में सबसे पहले मंजूर हुई 65.10 किलोमीटर वाले तीन कॉरिडोर का वह पहला हिस्सा होगा, जिस पर परिचालन शुरू होगा। करीब ढाई किलोमीटर का यह हिस्सा अंडरग्राउंड है। इस कॉरिडोर के बनने से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन के आस-पास की कॉलोनियां सीधे मेट्रो से सीधे कनेक्ट हो जाएंगी। चूंकि जनकपुरी पश्चिम इंटरचेंज स्टेशन है तो यहां से लोग दूसरी मेट्रो कॉरिडोर से कनेक्ट हो पाएंगे। मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि परिचालन से पहले मेट्रो रेल सुरक्षा कमिश्नर (सीएमआरएस) जांच करते हैं। इस दौरान सिग्नल प्रणाली, सुरक्षा इंतजाम, नियंत्रण कक्ष से जुड़ी प्रणालियों के अलावा मेट्रो की स्पीड निरीक्षण किया जाता है। सीएमआरएस जनकपुरी पश्चिमी से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन का निरीक्षण कर चुके हैं। अब उनकी तरफ से हरी झंडी मिलने का इंतजार है।

साहिबाबाद में दर्दनाक हादसा, ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। साहिबाबाद रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार शाम को एक दर्दनाक घटना घटी। यहां रेलवे लाईन पार करते समय मां-बेटे की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। संभावना जताई जा रही है कि साहिबाबाद रेलवे रोड पर लगने वाले साप्ताहिक बाजार में महिला सब्जी खरीदने जा रही थी। जीआरपी साहिबाबाद ने दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए जीआरपी साहिबाबाद प्रभारी एसआई मुकेश कुमार ने बताया कि शाम लगभग साढे सात बजे एक महिला अपने बेटे के साथ लिंकरोड क्षेत्र की तरफ से पटरियों पर होकर रेलवे टिकट घर की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान वैशाली क्लोन एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने दोनों की मौत हो गई। हादसे में महिला के शरीर के दो टुकड़े हो जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके बेटे के दोनों पैर कट गए। बेटे को एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। महिला की पहचान 29 साल की रिद्धि त्रिपाठी पत्नी सुमित कुमार त्रिपाठी इंद्रा कालोनी साहिबाबाद और उसके बेटे की पहचान 8 साल के अभय त्रिपाठी के रूप में हुई है। महिला के पास से मिले एक थैले में 250 रुपये मिले हैं। संभावना जताई जा रही है कि साहिबाबाद रेलवे रोड पर लगने वाले साप्ताहिक बाजार में महिला सब्जी खरीदने जा रही थी।

दिल्ली के शेल्टर होम में मिल रहा था फंगस लगा खाना और गंदा पानी? किसने लगाया आरोप; मजिस्ट्रेट करेंगे जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि शेल्टर होम में फंगस लगा भोजन और गंदा पानी दिया जा रहा था। अधिकांश मौतें बुखार और दस्त जैसे लक्षणों से जुड़ी थीं। इसके अलावा, क्षमता से अधिक लोग भी रखे गए थे। उधर, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने दिल्ली के मुख्य सचिव से तत्काल कार्रवाई करने और 48 घंटों के भीतर तथ्यान्वेषी रिपोर्ट मांगी है। रोहिणी के एसडीएम मनीष चंद्र वर्मा ने शेल्टर होम का निरीक्षण करने के बाद शुक्रवार को बताया कि शेल्टर होम ने जानकारी दी थी कि इसकी क्षमता लगभग 500 लोगों की है, जबकि इसमें 950 लोगों को रखा जा रहा था। एसडीएम ने बताया कि बच्चों के कल्याण के लिए बने विभाग (सीडब्ल्यूसी) शेल्टर होम की हर माह निगरानी करते हैं। उनकी तरफ से भी हमें किसी तरह की अव्यवस्था को लेकर शिकायतें नहीं मिली। साथ ही, वहां कोई बीमारी फैलने के सबूत भी नहीं मिले हैं। पुलिस ने शुक्रवार को मामला गरमाने के बाद शेल्टर होम के गेट को बंद कर दिया है। सिर्फ प्रशासन, पुलिस से जुड़े लोगों को ही प्रवेश दिया जा रहा है। आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एसडीएम ने बताया कि मामले में मेट्रोपॉलिटन मैजिस्ट्रेट की जांच होगी। भारतीय राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के समक्ष रिपोर्ट भेजी जाएगी। हम भी इसके अनुरूप एक रिपोर्ट साथ में तैयार कर एनएचआरसी को भेजेंगे। दिल्ली के रोहिणी स्थित आशा किरण होम में जनवरी से जुलाई के बीच 25 लोगों की मौत हो चुकी हैं। इनमें से 14 अकेले जुलाई माह में मारे गए हैं। इसको लेकर दिल्ली सरकार की राजस्व मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को न्यायिक जांच के आदेश दिए और 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। उधर, रोहिणी के एसडीएम ने कहा है कि शेल्टर होम की क्षमता लगभग 500 लोगों की है, जबकि इसमें 950 लोगों को रखा जा रहा है।

दिल्ली में मेनहोल को गत्ते से ढकने पर हादसा, स्कूल जा रहा 8 साल का बच्चा सीवर में गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी स्थित डी ब्लॉक में आठ वर्षीय बच्चा सीवर में गिर गया। मां के शोर मचाने पर मौके पर मौजूद लोगों ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को पीसीआर कॉल मिली थी कि एक बच्चा सीवर में गिर गया है। डिफेंस कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। महिला ने बताया कि वह बेटे को स्कूल लेकर जा रही थी। इसी दौरान वह डी-140 के बाहर पहुंची। वहां पर सीवर प्लाईबोर्ड से ढका हुआ था। बच्चे की नजर नहीं गई और उस पर चढ़ गया। प्लाईबोर्ड कमजोर होने के कारण टूट गया और उनका बेटा सीवर में गिर गया। पुलिस को जब घटना की सूचना मिली तो तुरंत एक टीम मौके पर पहुंची। हालांकि शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़ कर पहुंच और बच्चे को सीवर से खींचकर बाहर निकाल लिया। घटना में उसे हल्की चोट आई। परिजन उसको खुद ही अस्पताल ले गए। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में परिजनों ने कोई शिकायत नहीं दी है। पुलिस ने बताया की सीवर को प्लाईबोर्ड से ढका हुआ था। जो 8 साल के बच्चे के पैर रखने पर टूट गया। घटना को लेकर बच्चे के पिता अजीत सिंह ने कहा, सीवर पर प्लाईबोर्ड था, वो टूट गया और मेरा बच्चा उसमें गिर गया। मेरी पत्नी मेरे साथ थी, उसने बच्चे का हाथ पकड़ा और लोगों ने तुरंत मेरे बच्चे को बाहर निकाला। गड्ढा गहरा था, इसलिए मुझे सड़क

पर लेटकर उसे बाहर निकालना पड़ा...कल बारिश नहीं हुई, अगर बारिश होती तो सीवर ओवरफ्लो हो जाता। सीवर पर प्लाईबोर्ड था लेकिन उसका कवर भी पड़ा था। कवर टूटा नहीं था, उसमें कोई दरार भी नहीं थी। उन्होंने आगे कहा, बाहर निकाले जाने के बाद मैं अपने बच्चे को एम्स ले गया जहां वो 7-8 घंटे तक रहा। वहां उसकी जांच की गई। वो अभी भी घबराया हुआ है, रात में 2-3 बार डरकर उठा। सीवर में सीने तक पानी था। मैं अपने बच्चे के साथ था। कई और बच्चे अकेले स्कूल आते हैं, अगर वो उसमें गिर जाते तो कौन देखता और उन्हें बचाता?...अगर सीवर साफ हो गया था तो उसे वापस क्यों नहीं ढका गया? एमसीडी और एनडीएमसी के बीच झगड़े में मेरा बच्चा क्यों तकलीफ उठाए इसकी जांच होनी चाहिए।

लव मैरिज, अवैध संबंध और खूनी खेल, डेढ़ माह पहले मां बनी पत्नी की हत्या कर शव ट्रैक पर फेंका : नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में बिहार के रहने वाले एक शख्स ने अवैध संबंध के शक में अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद उसने भांजे के साथ मिलकर पत्नी के शव को बोरी में भरकर रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। फिर उसने पत्नी के अपने नए प्रेमी के साथ भाग जाने की झूठी कहानी रच दी। पुलिस ने दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि अनिल कुमार ने तीन साल पहले समस्तीपुर निवासी रेशमी से प्रेम विवाह किया था। दोनों मुंडका के बाबा हरिदास कॉलोनी में रहते थे। साथ में अनिल के माता-पिता भी थे। डेढ़ माह पहले रेशमी ने बेटे को भी जन्म दिया था, लेकिन अनिल को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था, इसलिए वह आए दिन उसके साथ मारपीट करता रहता था।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 19 जुलाई की रात को उसने अपनी पत्नी की डंडे से सिर फोड़कर हत्या कर दी। फिर उसने अपने भांजे अरुण को घर पर बुलाया और उन दोनों ने रेशमी की लाश को बोरे में भर दिया। इसके बाद वो बोरे को बाइक पर लादकर निजामपुर रेलवे फाटक के पास ट्रैक पर फेंक आए।

नाती के कपड़े लाने गई तो हुआ शक : पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी अनिल ने अपना नवजात बेटा अपनी सास सविता देवी को देते हुआ कहा कि उनकी बेटी रेशमी अपनी प्रेमी के साथ भाग गई है। सविता दो दिन बाद बच्चे के कपड़े लेने के लिए गई थी, कमरे को देखकर उसे दामाद अनिल पर कुछ शक हुआ। इसके बाद सविता ने मुंडका थाने में इसकी शिकायत दी। इस बीच सराय रोहिल्ला रेलवे पुलिस ने महिला की लावारिश शव की फोटो आसपास के थानों में भेज दी थी। सविता देवी ने मुंडका थाने में बेटी की फोटो पहचान ली और पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए दामाद द्वारा बोले गए झूठ के विषय में बताया। इसके बाद दहेज हत्या की धारा में एफआईआर दर्ज की गई।

भाजपा-एलजी की चुप्पी पर सवाल, दिल्ली में मां-बेटे की मौत पर हल्ला बोलेगी आप; उपराज्यपाल से की यह डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने मयूर विहार फेस-3 के खुले नाले में गिरने से हुई मां-बेटे की मौत पर भाजपा और एलजी की चुप्पी पर सवाल खड़ा किया है। साथ ही शनिवार को राजनिवास पर विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। आप दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि डीडीए की लापरवाही से मां-बेटे की मौत हुई है, लेकिन राजेंद्र नगर की दुखद घटना पर राजनीति करने वाली भाजपा और एलजी इस मामले पर चुप हैं।

आप मुख्यालय पर आयोजित पत्रकारवार्ता में गोपाल राय ने कहा कि राजेंद्र नगर की घटना के बाद दिल्ली सरकार और एमसीडी सख्त कार्रवाई कर रही है। कोचिंग सेंटर्स को सील किया गया। कई अधिकारी निलंबित किए हैं। छात्रों के परिवार को मुआवजा भी दिया गया। वहीं, मयूर विहार की घटना के बाद से भाजपा-एलजी दोनों मौन है, क्योंकि मामला डीडीए का है। वहीं, आप विधायक दिलीप पांडेय ने एलजी को पत्र लिखकर मयूर विहार की घटना के लिए दोषी पर कार्रवाई के साथ पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

राजनिवास ने लगाया झूठ बोलने का आरोप : नाले में डूबकर मां-बेटे की हुई मौत के मामले में राजनिवास ने आप पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। राजनिवास सचिवालय के मुताबिक इस मामले में डीडीए को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। जबकि, जिस नाले में यह दुखद घटना हुई है वह नगर निगम के अंतर्गत आता है। राजनिवास के मुताबिक इस मामले में आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह, विधायक कुलदीप कुमार, पार्टी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ द्वारा गलत और भ्रामक बयान जारी किया जा रहा है।

2 साल में इलेक्ट्रिक बसों से दिल्ली की बल्ले-बल्ले! 18 लाख पेड़ लगाने जितना हुआ फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बेड़े में शामिल 1500 इलेक्ट्रिक बसों ने दो साल में वायु प्रदूषण से जूझती दिल्ली की हवा में 91 हजार टन कार्बन डाइऑक्साइड का जहर घुलने से बचाया है। प्राकृतिक तरीके से इतना प्रयास करने के लिए 18.20 लाख पेड़ लगाने पड़ते। इतनी बड़ी संख्या में पेड़ लगाने के लिए फंड के साथ जगह की भी आवश्यकता होती। यह खुलासा परिवहन विभाग की और से दो साल की अवधि में तैयार की गई समीक्षा रिपोर्ट में हुआ है। दिल्ली में बीते दो वर्ष में 1500 इलेक्ट्रिक बसों ने 11.20 करोड़ किलोमीटर लंबा सफर तय किया है। इस अवधि में करीब 40 करोड़ यात्रियों ने सफर किया है। परिवहन विभाग ने दिल्ली के 18 डिपो से इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू कर दिया है, जल्द ही 42 और डिपो में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू करने की तैयारी की जा रही है। परिवहन विभाग ने इलेक्ट्रिक बसों को दिल्ली की सड़कों पर उतारने के बाद तकरीबन दो साल की अवधि की समीक्षा की है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के बेड़े में 25 फीसदी इलेक्ट्रिक बसें शामिल हो चुकी हैं। दिल्ली सरकार का दावा है कि 2025 तक सीएनजी की बसों में कमी आने और इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़कर 80 फीसदी होने के बाद हर साल दिल्ली की हवा में 4.67 लाख टन कार्बन डाईऑक्साइड घुलनी बंद हो जाएगी।

दिल्ली के 461 कोचिंग सेंटर सुरक्षा ऑडिट में हुए फेल, डीएफएस के सर्वे में बड़ा खुलासा; कमियां भी मिलीं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के करोल बाग और मुखर्जी नगर के छोटे-बड़े 461 कोचिंग सेंटरों के पास आग से निपटने के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। केवल कुछ कोचिंग सेंटरों को छोड़कर ज्यादातर सेंटरों में कमियां पाई गई हैं। दमकल विभाग की तरफ से इनको नोटिस भेजे गए हैं। बता दें कि, बीते महीने राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में सिविल सेवाओं की कोचिंग कराने वाले राउज आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से नियमों की अनदेखी करने वाले तमाम कोचिंग सेंटरों पर ऐक्शन की मांग उठने लगी है।

अदालत के आदेश पर की गई जांच : दिल्ली फायर सर्विस की रिपोर्ट के अनुसार, विभागीय स्तर पर किए गए सर्वे में पाया गया कि ये कोचिंग सेंटर दिल्ली अग्निशमन सेवा अधिनियम और उसके नियमों के अनुसार नहीं चले रहे थे। अदालत के आदेश पर विभिन्न एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए कोचिंग सेंटरों का सर्वे किया और नोटिस जारी कर भवन नियमों का पालन करने को लेकर निर्देश भी जारी किए।

ये कमियां मिलीं : कई कोचिंग सेंटर अवैध तरीके से बेसमेंट में संचालित किए जा रहे थे कई कोचिंग सेंटरों की इमारतों में आने-जाने के लिए केवल एक ही रास्ता था कोचिंग सेंटरों में आग से निपटने के भी कोई जरूरी इंतजाम

नहीं थे कई कोचिंग सेंटरों में एंट्री-एग्जिट और सीढ़ियों पर ही बिजली के मीटर लगे हुए थे अन्य स्थानों पर भी निरीक्षण जारी फायर विभाग के अधिकारी के अनुसार, दिल्ली के अन्य इलाकों में चलने वाले कोचिंग सेंटरों में भी टीम सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण कर रही है। यह अगले महीने तक पूरा किए जाने की उम्मीद है। इसके बाद जिन-जिन कोचिंग सेंटर में नियमों के मुताबिक उपाय नहीं किए गए हैं, उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा। आग लगने से 61 छात्र हुए थे घायल मुखर्जी नगर में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से 61 छात्र घायल हो गए थे। हादसे के वक्त कोचिंग सेंटरों में करीब 200-250 छात्र मौजूद थे। भजनपुरा में कोचिंग सेंटर की दो छत गिर गई थीं। हादसे में चार छात्रों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, 13 लोग घायल हो गए थे।

बारिश नहीं इस वजह से हुआ दिल्ली में कोचिंग सेंटर हादसा, ष्ठ प्रोफेसर ने क्या बताई वजह : नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के आईएएस कोचिंग सेंटर में हुए हादसे को लेकर प्रोफेसर विजेंद्र चौहान ने पहली बार बात की है। प्रोफेसर चौहान यूपीएससी की तैयारी करने वालों के लिए ट्रेनिंग और मॉक इंटरव्यू आयोजित करते हैं। उन्होंने दावा किया कि राजधानी दिल्ली में कोचिंग सेंटरों की चमक-दमक के कारण बड़ी संख्या में छात्र असुरक्षित स्थानों पर पढ़ाई करने चले जाते हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ने कहा कि 27 जुलाई को ओल्ड राजेंद्र नगर में राउज के आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से डूबकर हुई तीन छात्रों की मौत के लिए दिल्ली में हुई बारिश को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। विजेंद्र चौहान ने कहा कि यह घटना शिक्षा प्रणाली में एक बड़ी समस्या का संकेत है, न कि केवल बारिश के आसपास का सिविक मुद्दा है। उन्होंने कहा, यह घटना दुखद है, और यह प्रणाली के अंदर एक बड़ी समस्या की ओर इशारा करती है।

स्कूल नहीं जाना चाहता था तो भेज दिया बम की धमकी वाला ईमेल, दिल्ली में 14 वर्षीय छात्र की हरकत से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में एक नामी-गिरामी प्राइवेट स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में दिल्ली पुलिस की जांच में बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। स्कूल को यह धमकी यहां पढ़ने वाले एक नाबालिग छात्र ने ही दी थी।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि दिल्ली के जीके-1 की कैलाश कॉलोनी स्थित समर फील्ड्स स्कूल को बम की धमकी देने के मामले में 14 वर्षीय छात्र की पहचान कर ली गई है और फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। छात्र स्कूल नहीं जाना चाहता था और इसलिए उसने स्कूल को बम की धमकी वाला मेल भेजा था। छात्र ने मेल में दो और स्कूलों का भी जिक्र किया था ताकि यह मेल असली लगे। इस मामले की जांच जारी है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ग्रेटर कैलाश इलाके के स्कूल को ईमेल के जरिये बम की धमकी मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि ईमेल में कहा गया था कि गुरुवार को स्कूल में बम लगाया गया था, हालांकि दिल्ली पुलिस के बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड ने जब मौके पर जाकर जांच की तो वहां कुछ

नहीं मिला। गहन जांच के बाद यह धमकी भी अफवाह साबित हुई। इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी थी।

समर फील्ड्स स्कूल की प्रिंसिपल शालिनी अग्रवाल ने कहा था कि एसओपी के अनुसार, स्कूल प्रबंधन ने ईमेल मिलने के 10 मिनट के भीतर छात्रों को बाहर निकाल लिया था।

प्रिंसिपल ने कहा, हमें गुरुवार देर रात एक ईमेल मिला, जिसे शुक्रवार सुबह जल्दी चेक किया। एसओपी के अनुसार, हमने ईमेल मिलने के 10 मिनट के भीतर छात्रों को बाहर निकाल लिया। हमने पुलिस और जिला प्रशासन को सूचित किया, और हम पुलिस के आभारी हैं - उन्होंने तुरंत आकर हमारा बहुत साथ दिया।

मुफ्तखोरी की मानसिकता ने ढांचागत व्यवस्था को किया खराब, बदलने की जरूरत; किस बात पर हाईकोर्ट हुआ नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राजधानी के खराब हालात को गंभीरता से लिया। अदालत ने कहा कि प्रशासनिक खामी का ठीकरा बार-बार उपलब्ध व्यवस्था पर फूटता है। इसका उपाय तलाशना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि इसके लिए दिल्ली के प्रशासनिक, वित्तीय, भौतिक बुनियादी ढांचे पर फिर से विचार करने के लिए डीडीए के उपाध्यक्ष, एमसीडी अध्यक्ष और पुलिस आयुक्त समेत सदस्यों के साथ दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जा रही है। यह समिति आठ सप्ताह में रिपोर्ट दाखिल करेगी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने सुनवाई के दौरान कई सख्त टिप्पणियां कीं। पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार में हाल के महीनों में कैबिनेट की बैठकों की अनुपस्थिति और अगली बैठक कब होगी, इस बारे में अनिश्चितता के कारण नई परियोजनाओं के लिए अनुमोदन प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण है। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली के प्रशासकों की मानसिकता बदलने की जरूरत है। खासकर यह धारणा कि सब कुछ मुफ्त दिया जा सकता है। पीठ ने कहा कि मुफ्तखोरी की मानसिकता ने ढांचागत व्यवस्था को खराब किया है।

नाले साफ करने के निर्देश : पीठ ने एमसीडी आयुक्त को नालों से अतिक्रमण और अवैध निर्माण को तत्काल हटाने का भी आदेश दिया। पीठ ने नालों के

प्रति प्रशासन की चल रही अराजकता पर निराशा व्यक्त की है। दिल्ली सरकार के वकील को पिछली कैबिनेट बैठक की तारीख और अगली बैठक के कार्यक्रम के बारे में विवरण प्रदान करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि हाल की त्रासदियों ने स्पष्ट किया है कि नागरिक एजेंसियों (दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण आदि) की ओर से अदालत के निर्देशों का पूरी तरह से पालन नहीं किया जा रहा है। पीठ ने दिल्ली में प्रशासनिक स्थिति की आलोचना की। इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कई अधिकारी केवल जिम्मेदारी बदल रहे हैं। मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के बजाय एक-दूसरे पर दोष मढ़ रहे हैं। पीठ ने कहा कि दिल्ली का अधिकांश भौतिक बुनियादी ढांचा जैसे नालियां, सीवर आदि पुराने हो चुके हैं। इन्हें लगभग सात दशक पहले बनाया गया था।

18 नहीं, 26 साल की उम्र तक देना होगा बच्चे को पैसा; हाई कोर्ट ने दिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने बच्चे को भरण-पोषण को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पारिवारिक अदालत के आदेश पर आपत्ति जताने वाली पिता की अपील को अस्वीकार कर दिया।

कोर्ट का फैसला एक अलग हो चुके पति की अपील पर सुनवाई करते हुए आया। पति ने पारिवारिक अदालत के उस आदेश पर आपत्ति जताई थी, जिसमें उसे अपनी पत्नी और बेटे को गुजारा भत्ता देने के लिए कहा गया था। पारिवारिक अदालत ने जुलाई 2016 से बेटे को 35000 रुपये प्रति माह देने का निर्देश दिया था। साथ ही कहा था कि यह रकम उसके 26 साल के होने तक या आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो जाने तक देना होगा। पति ने तर्क दिया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 26 के तहत केवल नाबालिग बच्चे ही अंतरिम भरण-पोषण के हकदार हैं, बालिग (18 साल) नहीं। पारिवारिक अदालत 26 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक भरण-पोषण की अनुमति नहीं दे सकती है। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस राजीव शकधर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम (एचएमए) की धारा 26 का दायरा केवल तब तक सीमित नहीं किया जा सकता जब तक कि बच्चा वयस्क न हो जाए। रोजगार केवल कॉलेज की शिक्षा पूरी करने के बाद ही संभव हो सकता है जो 18 साल

का होने के बाद भी जारी रहता है। कोर्ट ने कहा कि एचएमए की धारा 26 का इरादा अन्य बातों के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा के लिए भरण-पोषण प्रदान करना है। यह 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर खत्म नहीं होती।

पीठ ने कहा कि ज्यादातर बच्चा 18 साल की उम्र में हाई स्कूल (कक्षा 12) पास कर चुका होगा और आगे की पढ़ाई के लिए कॉलेज या विश्वविद्यालय में दाखिला लेना चाहता होगा। पीठ ने हाल के एक फैसले में कहा कि कॉलेज या विश्वविद्यालय की डिग्री पूरी करने और कुछ मामलों में स्नातकोत्तर या पेशेवर डिग्री पूरी करने के बाद ही बच्चा रोजगार सुरक्षित करने में सक्षम होगा। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा, हमारे विचार में एक बच्चा जो अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहा है, वह वयस्क होने के बाद भी एचएमए की धारा 26 के तहत भरण-पोषण का हकदार होगा, जब तक कि वह अपनी शिक्षा प्राप्त नहीं कर लेता और आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं हो जाता।, अदालत ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने 1 लाख रुपये के जुर्माने के साथ पति की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि वर्तमान मामले में पारिवारिक अदालत का आदेश पारित होने के समय बेटा 17 साल का था और 11वीं कक्षा में पढ़ रहा था। वह वर्तमान में यहां एक निजी विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। इसलिए फैमिली कोर्ट ने बेटे द्वारा किए जाने वाले संभावित शिक्षा और अन्य संबंधित खर्चों को ध्यान में रखते हुए, उसे 26 वर्ष की आयु होने या आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने तक, जो भी पहले हो, 35000 रुपये प्रति माह की राशि प्रदान की। इसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने कहा कि पत्नी और बेटे दोनों को गुजारा भत्ता का बकाया ब्याज सहित आठ सप्ताह की अवधि के भीतर भुगतान किया जाए।

पेरिस ओलंपिक

• सेन का अगला लक्ष्य ओलंपिक सेमीफाइनल

पेरिस, एजेंसी। ओलंपिक 2024 का 7वां दिन भारतीय एथलीटों के काफी कमाल का रहा। शुक्रवार के दिन कई भारतीय एथलीट एक्शन में नजर आए। इसी बीच भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक 2024 में बैडमिंटन के मेंस सिंगल इवेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। लक्ष्य का अब अगला टारगेट भारत के लिए मेडल पक्का करना होगा।

सेमीफाइनल मैच को अगर वह जीत जाते हैं तो भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल तो पक्का हो ही जाएगा। लक्ष्य सेन इस ओलंपिक में काफी शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह एक के बाद एक अपने से टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को हरा रहे हैं और आगे बढ़ते जा रहे हैं।

कैसा रहा लक्ष्य का मैच

लक्ष्य सेन ने ओलंपिक 2024 में बैडमिंटन के मेंस सिंगल इवेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। लक्ष्य सेन ने अपने क्वार्टर फाइनल मैच में चाइनीज ताइपे के खिलाड़ी को हराया। उनके लिए इस मैच को जीत पाना आसान नहीं रहा। अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबला के पहले सेट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट में काफी करीब आकर 19-21 से हार गए, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने खुद को काबू में रखा और अगले दो सेट में कमाल का कमबैक किया।

ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर पहला सेट हार जाने के बाद बड़े से बड़े खिलाड़ी अपना आपा खो देते हैं, लेकिन लक्ष्य सेन ने ऐसा नहीं किया और पहला सेट हारने के बाद दूसरे सेट में जोरदार प्रदर्शन किया और इस सेट को 21-15 से अपने नाम किया। बस इसी मौके पर चाइनीज ताइपे खिलाड़ी ने अपना आपा खो दिया और सेन ने इस मौका का फायदा उठाया और तीसरे सेट में उन्हें 21-12 के अंतर से हरा दिया।

सेन ने रचा इतिहास

लक्ष्य सेन ने मेंस सिंगल इवेंट के फाइनल में जाकर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह ओलंपिक के मेंस सिंगल इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले किसी भी अन्य पुरुष खिलाड़ी ने बैडमिंटन में यहां तक का सफर नहीं तय किया था। हालांकि वुमेंस सिंगल में पीवी सिंधु ओलंपिक फाइनल तक खेल चुकी हैं।

• इमाने खेलीफ के बाद एक और विवादित मुक्केबाज की जीत से शुरुआत

महिला एथलीट पर जमकर बरसाए मुक्के

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में लैंगिक योग्यता का मामला चर्चा में है। गुरुवार को अल्जीरिया की इमाने खेलीफ महिलाओं की 66 किलोग्राम वर्ग के मुकाबले में इटली के एंजेला कारिनी के खिलाफ जीत हासिल की थी। मैच शुरू होने के 46 सेकंड बाद ही कारिनी ने मैच से हटने का फैसला किया था। उन्होंने कहा था कि खेलीफ के पंच इतने तगड़े थे कि उन्हें लगा कि वह चोटिल हो जाएंगी। खेलीफ का एक पंच कारिनी ने नाक पर जाकर लगी और वह दर्द के मारे कराह उठी थीं। बाद में खेलीफ पर पुरुष गुणसूत्रों वाला खिलाड़ी होने के आरोप लगे थे। खेलीफ को पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में एक्सवाई गुणसूत्र होने के आरोप लगे थे। सिर्फ खेलीफ नहीं, उस चैंपियनशिप में एक और खिलाड़ी को इसी वजह से बाहर किया गया था।

वह हैं ताइवान की लिन यू-टिंग। अब लिन यू ने भी पेरिस में अपने शुरुआती मुकाबले में महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान की सितोरा तुर्दीबेकोवा को सर्वसम्मत अंक के फैसले पर हराया। हालांकि, इस दौरान लिन यू टिंग महिला मुक्केबाज पर जमकर मुक्के बरसाती दिखीं। हालांकि, लिन ने तुर्दीबेकोवा को शक्ति के बजाय चालाकी से हराया। जैब्स के साथ स्कोर करने के लिए अपनी पहुंच का उपयोग किया और लड़ाई को एकतरफा बनाने के लिए उज्बेक खिलाड़ी के प्रयासों को दरकिनार कर दिया। जीत के बाद लिन ने मीडिया से बात करने से परहेज किया।

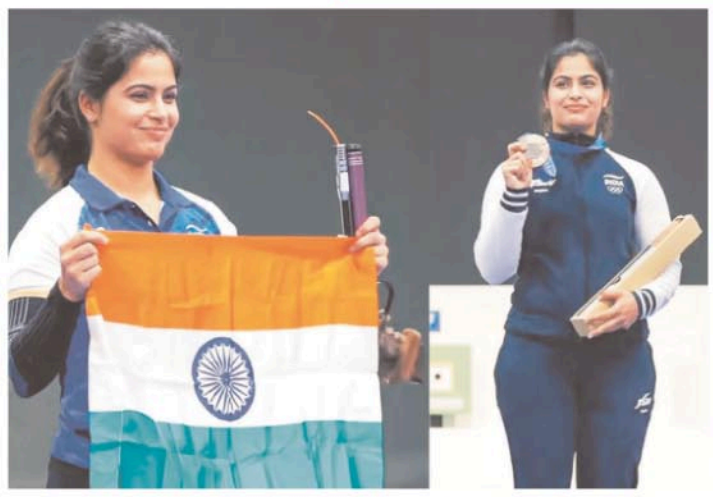

हैट्रिक से चूकने के बावजूद पेरिस से इतिहास रचकर लौटेंगी बुलेट क्वीन मनु भाकर

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत की स्टार शूटर मनु भाकर का सफर शनिवार (3 अगस्त) को समाप्त हो गया। 25 मीटर पिस्टल इवेंट में वह मेडल नहीं जीत पाईं। हालांकि, उन्होंने दो मेडल जीतने के साथ-साथ एक ही ओलंपिक में 3 फाइनल में जगह बनाकर पहले ही इतिहास रच दिया था।

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल इवेंट में मनु चौथे स्थान पर रहीं। इससे पहले मनु 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीती थीं। पेरिस खेलों में इस पदक से भारत का खाता खुला था। इसके बाद 10 मीटर मिक्सड टीम ब्रॉन्ज मेडल इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। भारत ने तीन पदक जीते हैं। तीनों पदक शूटिंग में मिले हैं। मनु एक खेल में 2 मेडल जीतने वालीं भारत की तीसरी एथलीट हैं। उनसे पहले ऐसा बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और पहलवान सुशील कुमार कर चुके हैं।

मनु एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वालीं भारत की पहली एथलीट हैं। उनके अलावा किसी और पुरुष या महिला एथलीट ने ऐसा नहीं किया है। मनु से पहले पीवी सिंधु भी हैट्रिक से चूक गई थीं। 2016 और 2021 ओलंपिक में मेडल जीतने के बाद 2024 में उनके पास हैट्रिक का मौका था, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। अब मनु भी हैट्रिक नहीं जीत पाई।

टीम इंडिया में वापसी से पहले मोहम्मद शमी खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

• खुद दिया बड़ा अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी आखिरी बार 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में मैदान पर दिखाई दिए थे. शमी इन दिनों इंजरी से रिकवर हो रहे हैं. अभी भारतीय पेसर को लेकर यह साफ नहीं हो पाया है कि कब टीम इंडिया में उनकी वापसी होगी. हालांकि शमी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से पहले घरेलू क्रिकेट खेल सकते हैं. घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद शमी की टीम इंडिया में वापसी होगी. भारतीय सीमर ने खुद घरेलू क्रिकेट खेलने के बारे में बात की.

शमी को कोलकाता में ईस्ट बंगाल क्लब ने सम्मानित किया. इसी सम्मान समारोह के दौरान शमी ने अपनी वापसी को लेकर बात की. भारतीय पेसर ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि मैं कब वापस आऊंगा. मैं बहुत कोशिश कर रहा हूं लेकिन दोबारा भारतीय जर्सी पहनने से पहले आप मुझे बंगाल के कलर्स में देखेंगे. मैं बंगाल के लिए 2-3 मैच खेलने आऊंगा और पूरी तैयारी से आऊंगा. बता दें कि कुछ वक्त पहले ही बीसीआई के सचिव जय शाह ने सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का हिस्सा रहने वाले खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने की बात कही थी.

आगे इंजरी को लेकर बात करते हुए शमी ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि चोट इतनी गंभीर होगी. इसको टी20 वर्ल्ड कप के बाद देखने का प्लान था क्योंकि पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप के बाद आईपीएल और फिर तुरंत बाद टी20 वर्ल्ड कप था. लेकिन यह वनडे वर्ल्ड कप के दौरान और गंभीर हो गई और मैंने इसके साथ खेलने का रिस्क नहीं लिया. यहां तक डॉक्टर्स भी नहीं सोच सकते थे कि चोट इतनी गंभीर हो जाएगी और इसको ठीक होने में इतना टाइम लगेगा.

वनडे वर्ल्ड कप में बरपाया था कहर

गौरतलब है शमी ने 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में सिर्फ 7 मैच खेले थे. 7 मैच खेलने के बाद वह टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ थे. भारतीय पेसर ने कुल 24 विकेट अपने नाम किए थे.

हार्दिक को रिलीज करेगी मुंबई इंडियंस?

नईदिल्ली, एजेंसी। कुछ दिन पहले बीसीसीआई के वानखेड़े ऑफिस में आईपीएल के अधिकारियों और टीम मालिकों के बीच मीटिंग हुई. कुछ टीमों के मालिक इस मीटिंग के लिए बीसीसीआई ऑफिस में उपस्थित हुए तो कुछ ने वर्चुअली इसमें हिस्सा लिया. मीटिंग से कई हैरान करने वाली खबरें भी सामने आईं. हालांकि, इस बीच एक और बड़ी खबर आई है. यह खबर मुंबई इंडियंस के खेमे से जुड़ी है.

रिपोर्ट्स की मानें तो मुंबई इंडियंस अपने कप्तान हार्दिक पांड्या को रिलीज करने वाली है. दरअसल, मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 से पहले हार्दिक पांड्या को दोबारा अपनी टीम से जोड़ा था. साथ ही फ्रेंचाइजी ने रोहित शर्मा से कप्तानी लेकर इस स्टार ऑलराउंडर को दे दी थी.

फिर भी टीम कुछ कमाल नहीं कर सकी और प्लेऑफ तक में जगह नहीं बना सकी. अब खबर है कि मुंबई इंडियंस हार्दिक पांड्या को रिलीज कर देगी.

नियमों में नहीं हुए बदलाव तो चार खिलाड़ी रिटेन कर सकेंगी टीमें

आईपीएल के नियमों के हिसाब से हर तीन साल में मेगा ऑक्शन का आयोजन होता है. इस बार दिसंबर में फिर मेगा ऑक्शन होगी. ऐसे में सभी 10 टीमों को सिर्फ चार-चार खिलाड़ी ही रिटेन करने की अनुमति होगी. हालांकि, एक रिपोर्ट यह भी है कि इस बार रिटेन करने वाले खिलाड़ियों की सख्या में इज़ाफा हो सकता है.

अभी तक बीसीसीआई या आईपीएल ने इसे लेकर कुछ नहीं कहा है. पर रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अब पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया जा सकेगा.

इन 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है मुंबई इंडियंस

सूत्रों के मुताबिक, मुंबई इंडियंस किसी भी सूरत में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह को अपने साथ रखना चाहती है. ऐसे में फ्रेंचाइजी हार्दिक पांड्या को रिलीज करेगी, क्योंकि सूर्यकुमार अब टी20 फॉर्मेट में देश के कप्तान हैं. ऐसे में फ्रेंचाइजी उन्हें अपनी टीम की कमान सौंप सकती है.

रोहित भी सूर्या की कप्तानी में खेलने में सहज होंगे. रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि मुंबई इंडियंस आईपीएल 2025 के लिए सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा को रिटेन कर सकती है. इसमें कोई शक नहीं है कि फ्रेंचाइजी अब नए सिरे से टीम तैयार करना चाहती है. ऐसे में आगामी सीजन में हमें टीम में कई नए खिलाड़ी देखने को मिल सकते हैं.

इंडिया वर्सेस श्रीलंका

14 गेंद में एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं : रोहित शर्मा

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में जीत की स्थिति में होने के बावजूद भारतीय टीम को टाई से संतोष करना पड़ा। श्रीलंका ने पहले खेलते हुए 230 रन बनाए थे। भारतीय टीम को 14 गेंदों पर एक रन चाहिए था लेकिन अर्शदीप के रूप में आखिरी विकेट गिर जाने के कारण मुकाबला टाई हो गया। मैच के बाद निराश भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को श्रीलंका के खिलाफ मैच में जीत के लिए 14 गेंद में एक रन बना लेना चाहिए था। भारतीय टीम 231 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 58 रन की तेज पारी के बावजूद 47.5 ओवरों में 230 रन पर सिमट गई।

भारतीय खिलाड़ी श्रीलंका के 4 स्पिनरों के सामने कभी सहज नहीं रहे। कप्तान रोहित ने मैच के बाद कहा कि स्कोर हासिल किया जा सकता था। लेकिन इसके लिए आपको अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। हमने टुकड़ों में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन लय नहीं बना पाए। हमने अच्छी शुरुआत की। लेकिन हमें पता था कि स्पिन आने पर खेल बदल जाएगा। हमने कुछ विकेट गंवा दिए और पिछड़ गए। कप्तान ने ज्यादा आलोचना नहीं करते हुए कहा कि हमने अक्षर पटेल और केएल राहुल के बीच साझेदारी से वापसी की। लेकिन इनके आउट होने से फिर संतुलन गड़बड़ा गया। 14 गेंद में एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं.

मीराबाई चानू से इस बार गोल्ड की आस

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली देश की स्टार वेटलिफ्टर सेखोम मीराबाई चानू से इस बार गोल्ड मेडल की आस है. इम्फाल के नॉनपोक काकचिंग की यह एथलीट 49 किलो भारवर्ग में वजन उठाकर गोल्ड मेडल का जोर लगाएंगी. पेरिस ओलंपिक में इस कैटिगरी में क्वॉलीफाई कर चुके बाकी एथलीट्स को देखें तो फिलहाल दुनिया में सिर्फ एक ही वेटलिफ्टर है, जिसने मीराबाई से ज्यादा वजन उठाया है.

मीराबाई ने 2022 कॉमनवेल्थ खेलों में भी गोल्ड अपने नाम किया था और उन्होंने वर्ल्ड चैम्पियनशिप्स में भी सिल्वर मेडल जीता था. लेकिन वह 2022 एशियाई खेलों में अपना जलाव नहीं दिखा पाई थीं. अगर मीराबाई चानू पेरिस ओलंपिक में फिट रहती हैं और अपने इवेंट के दिन वह अपना पूरा दमखम झोंक पाईं तो फिर कोई कारण नहीं है कि उनके पास पीला तमगा न हो.

भारतीय फैन्स इस बार उनके स्नैच, क्लीन और जर्क राउंड में बेहतरीन तालमेल के साथ सबसे ज्यादा वजन उठाते देखने को बेताब हैं. उन्होंने कॉमनवेल्थ खेलों में कुल 201 किलो वजन उठाकर सोने का तमगा अपने नाम किया था, तब उनके मुकाबले में उनके आसपास भी कोई नहीं थी. इन खेलों में सिल्वर मेडल अपने नाम करने वाली उनकी प्रतिद्वंद्वी ने सिर्फ 172 किलो भार ही उठाया था. चानू का टारगेट इस बार अपने दोनों राउंड की वेटलिफ्टिंग में अधिकतम 115 किलो का वजन उठाने पर होगा.

पेरिस ओलंपिक

भारत का हॉकी क्वार्टरफाइनल में

ग्रेट ब्रिटेन से मुकाबला

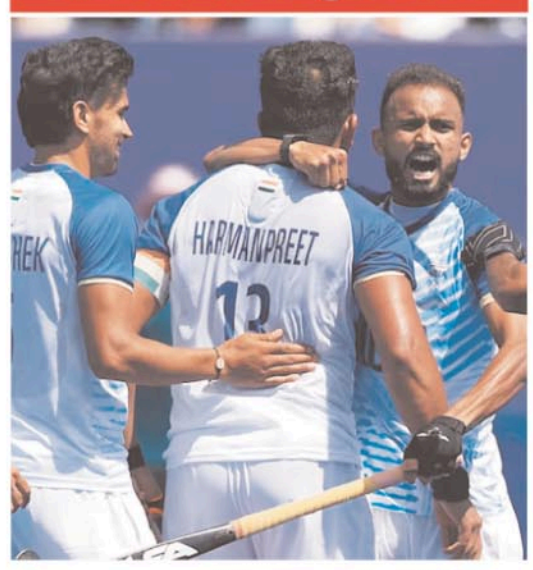

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलांपिक में शानदार प्रदर्शन कर रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम का क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन से रविवार को मुकाबला होगा। रविवार 4 अगस्त को, पूल ए विजेता जर्मनी का क्वार्टर फाइनल मुकाबला रियो 2016 के स्वर्ण पदक विजेता अर्जेंटीना से होगा, जो पूल बी में चौथे स्थान पर रहा, पूल बी टेबल-टॉपर्स और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम का सामना पूल ए की चौथे स्थान पर रहने वाली टीम स्पेन से होगा। नीदरलैंड पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा और अब अंतिम आठ में उसे पूल बी में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करना होगा, जिसमें पूल बी उपविजेता भारत पूल ए में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगा।

भारतीय पुरुष टीम ने म्यूनिख 1972 के लगभग 52 साल बाद ऑस्ट्रेलिया पर अपनी पहली ओलंपिक हॉकी जीत हासिल की, क्योंकि टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कूकाबुरास के खिलाफ 3-2 की जीत में दो बार स्कोर करके पूल में दूसरा स्थान सुनिश्चित किया। मॉस्को 1980 के बाद भारत को अपना पहला स्वर्ण पदक दिलाने की उम्मीद रखने वाले हरमनप्रीत ने कहा, हमने (टूर्नामेंट) जीत के साथ शुरू किया था, और हमने फैसला किया कि हम एक विजयी मैच के साथ समापन करेंगे।

भारत के शमशेर सिंह ने अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल विजेता टीमों के बीच छह अगस्त को खेले जाएंगे। भारत ने पिछले टोक्यो ओलम्पिक में कांस्य पदक जीता था।

पेरिस ओलंपिक में गर्लफ्रेंड के गोल्ड मेडल जीतते ही बॉयफ्रेंड ने किया ये काम

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अभी तक 7 दिनों के खेल पूरे हो चुके हैं. हर एक देश ज्यादा से ज्यादा मेडल जीतने की कोशिश कर रहा है. इस बार ओलंपिक में कुछ विवाद भी देखने को मिल रहे हैं. लेकिन इस सब के बीच फैंस को एक प्यार भरा पल भी देखने को मिला है. चीन की एक खिलाड़ी ने लिए ये ओलंपिक सबसे ज्यादा यादगार बन गया है.

ये खिलाड़ी इस बार ओलंपिक में गोल्ड मेडल के साथ-साथ अपना शादी का प्रपोजल पाने में कायमाब रही है. चीन की बैडमिंटन खिलाड़ी हुआंग या कियोंग पेरिस ओलंपिक को अपने जीवन में कभी नहीं भूल पाएंगी. उन्होंने 2 अगस्त को साथी खिलाड़ी झेंग सिवेई

के साथ मिलकर मिक्स्ड डबल्स में गोल्ड मेडल जीता. चीन की इस खिलाड़ी ने साउथ कोरिया की किम वोन हो और जियोंग ना युन की जोड़ी को हराया.

इस मैच में चीन की छोड़ी का दबदबा देखने को मिला और 41 मिनट में 21-8, 21-11 से साउथ कोरिया की जोड़ी को हरा दिया. मिक्स्ड डबल्स का इवेंट खत्म होने के बाद मेडल सेरेमनी हुई, जहां हुआंग या कियोंग ने अपना गोल्ड मेडल हासिल किया. ये वो पल होता है जिससे कुछ दिन तक खिलाड़ी बाहर नहीं निकल पाते हैं.

हुआंग या कियोंग भी काफी खुश थीं, तभी या कियोंग के बॉयफ्रेंड लियू युचेन ने उन्हें प्रपोज किया, जिसके देखकर हर कोई हैरान रह गया, जिसे वो ना नहीं कर पाई. बॉयफ्रेंड लियू युचेन ने घुटने पर बैठकर प्यार का इजहार किया और हुआंग याकियोंग को रिंग पहनाई. बता दें, लियू युचेन भी बैडमिंटन खिलाड़ी हैं और चीन के लिए खेलते हैं.

संक्षिप्त समाचार

चीन में पुल ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 38 हुई, दो दर्जन लोग अभी भी लापता

बीजिंग , एजेंसी। चीन में दो सप्ताह पहले उत्तर-पश्चिमी शांक्सी प्रांत में एक राजमार्ग पुल के आंशिक रूप से ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़ 38 हो गई है और करीब दो दर्जन लोग अभी भी लापता हैं। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने शुक्रवार शाम को यह जानकारी देते हुए बताया कि 19 जुलाई को हुई इस दुर्घटना में दो दर्जन वाहन तेज बहाव वाली नदी में गिर गए थे। सीसीटीवी की खबर के अनुसार, एक व्यक्ति को बचा लिया गया था। शांक्सी प्रांत में जिस क्षेत्र में डैनिंग राजमार्ग पर पुल ध्वस्त हुआ, वहां पिछले दिनों भारी बारिश हुई थी। सीसीटीवी की खबर के मुताबिक, पुल ध्वस्त होने पर कम से कम 25 कार नदी में गिर गईं। बचाव दलों ने पीड़ितों की तलाश में कई किलोमीटर नीचे तक खोज की है। घटना के तुरंत बाद सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ द्वारा जारी की गई एक तस्वीर में पुल का एक हिस्सा टूटा हुआ और लगभग 90 डिग्री के कोण पर नीचे बहते भूरे पानी में मुड़ा हुआ दिखाई दे रहा था। सीसीटीवी की खबर में कहा गया है कि नदी एक पहाड़ी घाटी से होकर गुजरती है और मई में गुआंगदोंग प्रांत में इसी तरह की एक घटना में 36 लोगों की मौत हो गई थी। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के कारण हुई बारिश ने पूरे एशिया में भूस्खलन और बाढ़ की एक श्रृंखला को जन्म दिया है। इसी सप्ताह चीन में, गैमी चक्रवात के कारण 48 लोगों की मौत हो गई। हुनान में पहुंचने पर यह चक्रवात एक उष्णकटिबंधीय तूफान में तब्दील होकर कमजोर हो गया था।

मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दो भारतीय गिरफ्तार, 1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नशा हुआ बरामद

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से एक करोड़ अमेरिकी डॉलर का नशीला पदार्थ बरामद हुआ है। न्याय विभाग ने यह जानकारी दी है। न्याय विभाग के अनुसार, आरोपियों की पहचान 28 वर्षीय सिमरनजीत सिंह और 19 वर्षीय गुसिमरत सिंह के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया के फेस्नो के निवासी हैं। इन पर मादक पदार्थ की तस्करी का आरोप है। दोनों आरोपियों को 29 जुलाई को बोस्टन की एक अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें हिरासत में भेज दिया गया। स्थानीय पुलिस ने एक ट्रैक्टर से 400 किलोग्राम से अधिक कोकीन बरामद की, जिसके बाद इन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। कोकीन की कीमत लगभग 1.05 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी के दोषी पाए जाने पर अधिकतम 20 साल की सजा और कम से कम तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही दोषियों पर दस लाख अमेरिकी डॉलर तक के जुर्माने का भी प्रावधान है।

श्रीलंका ने 21 भारतीय मछुआरों को रिहा किया, कोलंबो से चेन्नई के लिए हुए रवाना

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए 21 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया गया है और वे कोलंबो से चेन्नई के लिए रवाना हो गए हैं। श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग और जाफना स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने श्रीलंकाई सरकारी प्राधिकारियों के सहयोग से भारतीय मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित की। उच्चायोग ने रिहा किए गए मछुआरों की तस्वीर सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर साझा कर कहा, ''घर वापसी! 21 भारतीय मछुआरों को सफलतापूर्वक वापस भेज दिया गया है और वे कोलंबो से चेन्नई के लिए रवाना हो गए हैं।

अमेरिका ने टिकटॉक के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा, बच्चों के ऑनलाइन निजता कानून उल्लंघन का आरोप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के न्याय विभाग ने शुक्रवार को टिकटॉक के खिलाफ मुकदमा दायर किया। इसमें कंपनी पर बच्चों के ऑनलाइन गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने और एक अन्य संघीय एजेंसी के साथ हुए समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। कैलिफोर्निया की एक संघीय अदालत में संघीय व्यापार आयोग के साथ मिलकर यह शिकायत ऐसे समय में दर्ज की गई है, जब अमेरिका तथा प्रमुख सोशल मीडिया कंपनी एक और कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं, जो यह निर्धारित करेगी कि टिकटॉक देश में काम करना जारी रख सकेगा या नहीं। हालिया मुकदमा युवा उपयोगकर्ताओं के बीच लोकप्रिय मंच टिकटॉक और इसकी चीन स्थित मूल कंपनी बाइटडांस के एक संघीय कानून के उल्लंघन को लेकर है। कानून के मुताबिक, बच्चों से संबंधित ऐप और वेबसाइट को 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने से पहले उनके माता-पिता की सहमति लेना आवश्यक है।

जर्मनी को बाढ़ से बचाएंगे ये जंगल और नदी

बर्लिन , एजेंसी। दूसरे प्राकृतिक आपदा की तुलना में बाढ़ से दुनिया के लोगों को ज्यादा खतरा है. इससे बचने का प्राकृतिक समाधान यह है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए जाएं. जर्मनी में जंगलों को अधिक पानी सोखने के लिए तैयार किया जा रहा है.हम सैकड़ों सालों से उद्योग, ऊर्जा, खेती और घर बनाने के लिए नदी के प्राकृतिक स्वरूप को बदल रहे हैं. दुनिया भर में नदियों के रास्ते सीधे किए गए हैं, नियंत्रित किए गए हैं, उन पर तटबंध बनाए गए हैं और उन्हें गहरा किया गया है. नदी के किनारे मौजूद कुछ हिस्से, नदी में ज्यादा पानी आने पर उन्हें फैलने की जगह देते हैं. इन्हें आम तौर पर बाढ़ का मैदान कहा जाता है. इससे नदी का पानी रिहायशी इलाकों तक नहीं पहुंच पाता है, लेकिन धीरे-धीरे इंसानों ने बाढ़ के इस मैदान पर भी निर्माण शुरू कर दिया. उनका विचार था कि इससे बाढ़ को रोकने में मदद मिलेगी. हालांकि, अब यह पता चला है कि ऐसा करने से उलटा प्रभाव पड़ता है. हमने नदियों को बर्बाद कर दिया सिर्फ जर्मनी में, 79 मुख्य नदियों के किनारे स्थित बाढ़ के दो-तिहाई मैदान अब अतिरिक्त पानी को जमा करने के अपने मूल उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रहे हैं. इसकी वजह यह है कि इन मैदानों तक पहुंचने से रोकने के लिए बांध बना दिए गए हैं. बाढ़ के बचे हुए एक तिहाई क्षेत्रों में या तो खेती हो रही है या उन जगहों पर घर बन गए हैं. प्रकृति और पर्यावरण को इससे बहुत नुकसान हुआ है. ऐसा सिर्फ जर्मनी में ही नहीं, बल्कि पूरे यूरोप में हुआ है. यहां 70 से 90 फीसदी बाढ़ के मैदान पर्यावरणीय रूप से खराब हो चुके हैं और अब हम सब इसकी कीमत चुका रहे हैं. जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन की वजह से चरम मौसम की घटनाएं बढ़ रही हैं, ये बदले हुए परिदृश्य विनाशकारी बाढ़ की संभावनाओं को और ज्यादा बढ़ा रहे हैं. जर्मनी के पूर्व में स्थित एक शहरी वेटलैंड क्षेत्र ने इस समस्या को जल्दी पहचान लिया. लाइपजिग स्थित हेल्महोल्त्स सेंटर फॉर एनवॉयरनमेंटल रिसर्च में बाढ़ के मैदान से जुड़े पारिस्थितिकी के विशेषज्ञ माथियास शॉल्त्स दशकों से नदियों और तटीय जमीन के महत्व का अध्ययन कर रहे हैं. शॉल्त्स बताते हैं, हमने 30 साल पहले ही महसूस कर लिया था कि हमारे औद्योगिक और तकनीकी विकास ने इस क्षेत्र के जंगल को गलत तरीके से विकसित कर दिया है. इसलिए, अब हमारा पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत नहीं है. हमें पुराने तरीकों पर वापस जाने की जरूरत है और प्रकृति को अपना काम करने देना चाहिए. डार्लिंग नदी को दी जा रही है कृत्रिम ऑक्सीजन हमें बाढ़ के मैदानों की जरूरत है शॉल्त्स कहते हैं कि हमें ऐसे बाढ़ के मैदानों की जरूरत है जो अपनी प्रकृति के मुताबिक काम कर सकें. ये मैदान लंबे समय तक पानी रोके रखते हैं और स्पंज की तरह काम करते हैं. वे प्राकृतिक रूप से जलवायु संरक्षक और बाढ़ नियंत्रक हो सकते हैं, लेकिन ऐसा तब होगा जब वहां पानी पहुंचता रहे. उन्होंने आगे बताया, इससे पौधों को गर्मियों में सूखे का बेहतर तरीके से सामना करने में मदद मिलती है. जब अगली बार बाढ़ आती है और नदी का पानी इसके किनारों से ऊपर बहने लगता है, तब आस-पास के जंगल और घास के मैदानों में बाढ़ आती है. इससे बाढ़ का पानी दूसरी जगहों पर नहीं फैलता और हमें विनाशकारी परिणाम नहीं झेलने पड़ते हैं. यह बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है. असम में बाढ़ और हर साल विस्थापन का दर्द झेलते लोग अगर हमारे पास बाढ़ के मैदान और वहां मौजूद जंगल नहीं होते हैं, तो पानी तेजी से नदियों से बहकर रिहायशी इलाकों तक पहुंचता है. इससे बाढ़ की लहरें और भी भयावह हो जाती हैं और काफी ज्यादा नुकसान होता है. हाल के वर्षों में यही हो रहा है. यही वजह है कि शॉल्त्स ने लाइपजिग शहर और जर्मनी के पर्यावरण संघ एनएबीयू के साथ मिलकर लाइपजिग, मार्कलीबर्ग और श्खॉयडित्स शहरों के आसपास बाढ़ के मैदान को फिर से प्राकृतिक स्वरूप में बहाल करने का फैसला लिया है. शॉल्त्स ने बताया, यहां कई ऐसे पेड़ उग आए हैं जो बाढ़ से बचाने में मददगार नहीं हैं. इससे बाढ़ के मैदान के जंगलों में पाए जाने वाले पेड़ों की मूल प्रजातियां गायब हो रही हैं. उन्होंने उदाहरण के तौर पर ओक और एल्म के पेड़ों का हवाला दिया. बाढ़ के मैदान के जंगलों में नदियों का पर्याप्त पानी नहीं पहुंचने की वजह से ये पेड़ खत्म होने लगे. समस्या यह है कि ये देशी पेड़ बाढ़ और सूखे जैसी स्थिति को अन्य प्रजातियों, जैसे कि मेपल की तुलना में बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं. ओक और एल्म के पेड़ मिट्टी से नमी सोखते हैं. ये पेड़ पानी की उस मात्रा को कम कर देते हैं जिससे अचानक बाढ़ आती है. जंगल पानी सोखें शॉल्त्स और उनकी टीम के दिमाग में एक विचार आया. उन्होंने दशकों तक हर वसंत में जंगल के एक छोटे से हिस्से में जानबूझकर बाढ़ लानी शुरू कर दी और इसके नतीजों का आकलन किया. 30 वर्षों में उन्होंने जो डेटा इकट्ठा किया वह पारिस्थितिकी तंत्र के अपनी प्राकृतिक स्थिति में वापस आने की कहानी बताता है. शॉल्त्स कहते हैं, हमें एहसास हुआ कि हम सूखे की अवधि के दौरान भी जंगल में तीन महीने तक नमी बनाए रख सकते हैं. इससे बाढ़ के मैदान के जंगल इन गीली और बदलती परिस्थितियों के अनुकूल हो सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का दावा- फेसबुक सीईओ नहीं करेंगे डेमोक्रेट्स का समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि फेसबुक फाउंडर और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में उन्हें सेंसर करने के लिए माफी मांगी। मार्क ने ट्रंप को आश्वासन दिया कि वह किसी डेमोक्रेट का समर्थन नहीं करेंगे। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में इसकी जानकारी दी है। ट्रंप ने कहा कि तो, मार्क जुकरबर्ग ने मुझे फोन किया। वास्तव में उन्होंने बताया की वह किसी डेमोक्रेट का समर्थन नहीं करेंगे। वे इस पर काम कर रहे हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे ठीक कर लिया है। उन्होंने (जुकरबर्ग) पांच साल पहले 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर लेकर जो किया था, वह उसे दोहरा नहीं रहे हैं। मुझे विश्वास है कि वह ऐसा नहीं कर रहे हैं। ट्रंप ने सर्च इंजन गूगल को भी धमकाया है। दरअसल, ट्रंप ने दावा किया है कि गूगल उनकी खबरों और तस्वीरों को सेंसर कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि यह हरकत गैरजिम्मेदाराना है। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, गूगल बहुत खराब है। वे काफी गैरजिम्मेदार हैं। मुझे लगता है कि गूगल शटडाउन के करीब जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। गूगल को सावधान रहना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस डेमोक्रेट्स की ओर से उम्मीदवार हैं। हैरिस पहली भारतीय अफ्रीकी मूल महिला है जिन्हें राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए चुना गया है।

कमला हैरिस होंगी डेमोक्रेटिक की तरफ से राष्ट्रपति पद की आधिकारिक उम्मीदवार, ट्रंप से होगा मुकाबला

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को शुक्रवार को सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। हैरिस पहली भारतीय-अफ्रीकी मूल की महिला हैं जिन्हें राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाया गया है। पांच नवंबर को होने वाले आम चुनाव में हैरिस (59) का मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से होगा। इस बीच, ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि उन्हें अपनी संभावित डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ बहस में भाग लेना है या नहीं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष जैमे हैरिसन ने देश भर में निर्वाचित प्रतिनिधियों के मतों की ऑनलाइन गिनती समाप्त होने के बाद कहा, ''मुझे यह पुष्टि करते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि उपराष्ट्रपति हैरिस ने सभी सम्मेलन प्रतिनिधियों से बहुमत से अधिक वोट हासिल किए हैं और मतदान समाप्त होने के बाद वह डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार होंगी। डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रतिनिधियों के बहुमत से उम्मीदवारी मिलने की घोषणा के बाद हैरिस ने कहा, ''मैं अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने पर गौरवान्वित हूं। मैं अगले सप्ताह आधिकारिक रूप से नामांकन स्वीकार करूंगी।

पाक पीएम शहबाज शरीफ ने चीन को दी रिश्तों की दुहाई, थोड़ी सी और मोहलत के लिए लगाई गुहार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए बताया कि उन्होंने खुद चीनी सरकार को खत लिखकर लोन की रिप्रोफाइलिंग करने की गुहार लगाई है। चीन अगर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की गुहार को सुन लेता है तो पाकिस्तान को अगले महीने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 7 बिलियन डॉलर का बेलआउट पैकेज मिल सकता है। पाकिस्तान के अखबार डॉन में छपी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि पाकिस्तान को अगर आईएमएफ से 37 महीने का बेलआउट पैकेज चाहिए तो उसे अपने मित्र देशों से लिए गए लोन्स की रिप्रोफाइलिंग करानी होगी। चीन, सऊदी अरब और यूएई के साथ पाकिस्तान को करीब 27 अरब अमेरिकी डॉलर की देनदारी की रिप्रोफाइलिंग की जरूरत है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अब सबकी जानकारी में हैं कि उन्होंने चीन की सरकार को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने लोन की रिप्रोफाइलिंग के लिए गुहार लगाई है।

क्या होती है लोन की रिप्रोफाइलिंग : विश्व बैंक के अनुसार, रिप्रोफाइलिंग का मतलब लिए गए लोन पर जो समय सीमा पहले से तय की गई थी या जो नियम

पहले से तय किए गए थे उनको एक बार फिर से बातचीत के जरिए तय किया जाए। इसमें समय सीमा को आगे बढ़ाने और नियमों थोड़ी और ढिलाई की उम्मीद की जाती है। यदि किसी देश को एक साथ कई लोन्स के भुगतान का सामना करना पड़ रहा है तो यह प्रक्रिया उसकी मदद कर सकती है। यह प्रक्रिया किसी भी देश की वित्तीय जोखिम की स्थिति को कम करके उसे दिवालिया होने से बचा सकती है।

तुर्कीये ने आखिर क्यों लगाया इंस्टाग्राम पर बैन, मैटा को बताया शोषण की सेवा करने वाला पीएम शरीफ ने बैठक के दौरान अपने मंत्रियों से कहा कि वित्तमंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने अपनी यात्रा के दौरान चीन में बहुत अच्छी बैठकें की। वहां पर उनके द्वारा किए गए प्रयास पाकिस्तान और चीन के रिश्तों में भरोसे को बढ़ाएंगे। हम पाकिस्तान में संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के प्रयास में लगे हुए हैं उपभोक्ता चाहे घरेलू हों या फिर व्यापारी हम सभी को राहत देने के लिए दिन रात पूरी तरह से मेहनत कर रहे हैं। इससे पहले पीएम ने चीन के साथ दोस्ताना संबंधों की भी सराहना की थी। उन्होंने चीन से लिए कर्ज पर बात करते हुए कहा कि उस समय जब चीन ने हमारे ऊर्जा क्षेत्र में निवेश किया तो कोई भी हमारे देश में निवेश करने के लिए तैयार नहीं था लेकिन चीन ने न केवल ऊर्जा क्षेत्र में निवेश किया बल्कि सीपीईसी भी शुरू किया, चीन एकमात्र ऐसा देश था जो कि हमारी मदद करने के लिए आगे आया था।

सर्रे में बंदूकों के साथ नाचते लोगों का वीडियो वायरल, खालिस्तान कनेक्शन की हो रही जांच

ओटावा , एजेंसी। कनाडा में जस्टिन ट्रूडो सरकार की नाक तले खालिस्तानी आंतकियों की गतिविधियां लगातार जारी हैं। कैलगरी के सरकारी सुविधा में खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिसद्वारा भारत के खिलाफ करवाया गया जनमत संग्रह इसकी ताजा मिसाल है। इस आयोजन के चंद दिन बाद ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसके बाद फिर कनाडा सरकार पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस वीडियो में ब्रिटिश कोलंबिया के सर्रे मेंएक समूह को जश्न के दौरान बंदूकों के साथ नाचते हुए देखा गया। इस घटना के पीछे खालिस्तान समर्थकों का हाथ होने का शक जताया जा रहा है। पुलिस ने सर्रे में इस मामले से जुड़े कई लोगों बंदूकें जब्त कर ली हैं। यह घटना सरे में सार्वजनिक सुरक्षा के मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करती है और पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है। खालिस्तान के साथ संभावित संबंध की जांच भी की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोका जा सके। यह वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें कई लोग बंदूकों के

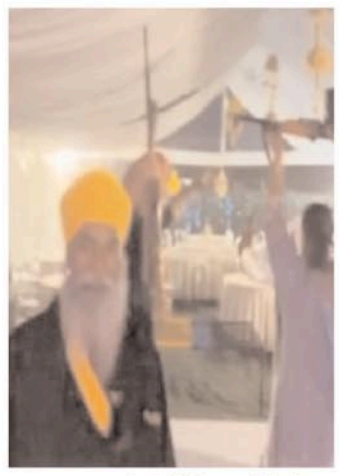

साथ जश्न मनाते हुए दिखे। यह वीडियो एक निजी समारोह का हिस्सा था, जिसमें खालिस्तान के समर्थक शामिल थे। वीडियो सामने आने के बाद, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने वीडियो की जांच की और घटना स्थल की पहचान की। पुलिस ने स्थान पर छापा मारा और कई बंदूकें जब्त कीं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ये बंदूकें वैध थीं या अवैध। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस घटना का खालिस्तान आंदोलन से कोई संबंध है या नहीं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बंदूकें वहां कैसे पहुंचीं और उनका क्या उद्देश्य था। पुलिस ने मौके पर मौजूद कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस घटना का खालिस्तान आंदोलन से कोई संबंध है या नहीं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बंदूकें वहां कैसे पहुंचीं और उनका क्या उद्देश्य था। कनाडा सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और पुलिस को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने सर्रे और अन्य संभावित संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी है। सरकार ने समुदायों के नेताओं से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा न दें। पुलिस ने जनता से अनुरोध किया है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें। पुलिस ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है।

अमेरिका का बड़ा कदमः पश्चिम एशिया में बढ़ाएगा सैन्य शक्ति, इजरायल की सुरक्षा में लड़ाकू विमान और विमानवाहक पोत करेगा तैनात

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मद्देनजर अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने वहां लड़ाकू विमानों का दस्ता और विमान वाहक पोत तैनात करने का फैसला किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने यह जानकारी दी। पेंटागन ने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने ईरान और उसके सहयोगियों के संभावित हमलों से इजराइल की रक्षा करने और अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम एशिया में सैन्य उपस्थिति बढ़ाने का निर्णय लिया है। पेंटागन ने एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने यूरोप और पश्चिम एशिया के क्षेत्रों में अतिरिक्त बैलिस्टिक मिसाइल से लैस जहाज और विध्वंसक पोत तैनात करने का भी आदेश दिया है। इसके अलावा, ऑस्टिन वहां जमीन से वार करने वाली अतिरिक्त बैलिस्टिक मिसाइल भेजने की दिशा में भी कदम उठा रहे हैं।

अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने का फैसला ऐसे समय में किया है, जब अमेरिकी नेताओं ने यह चिंता जताई है कि इजराइल के हालिया हमलों में हमास और हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के कारण क्षेत्र में हिंसा बढ़ सकती है, क्योंकि दोनों उग्रवादी समूहों के अलावा ईरान ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। व्हाइट हाउस के अनुसार, बाइडन ने बृहस्पतिवार दोपहर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फोन कर इजराइल को बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन

के संभावित हमलों से बचाने के लिए क्षेत्र में अमेरिका की सैन्य उपस्थिति बढ़ाने पर चर्चा की। अप्रैल में अमेरिकी बलों ने ईरान द्वारा इजराइल की तरफ दागी गई दर्जनों मिसाइल और ड्रोन का पता लगाकर उनके हमलों को नाकाम किया था। बुधवार को तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनिया और मंगलवार को बेरूत में हिजबुल्लाह कमांडर फौद शुकुर की हत्या के बाद क्षेत्र में जारी तनाव के युद्ध में तब्दील होने का खतरा बढ़ गया है, क्योंकि ईरान ने अपने क्षेत्र में हुए हमले का करारा जवाब देने की धमकी दी है। इजराइल ने पिछले साल सात अक्टूबर को हमास द्वारा उसके क्षेत्र में किए गए अप्रत्याशित हमले के बाद समूह के नेताओं को मार गिराने का संकल्प लिया है। ऑस्टिन ने यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत को पश्चिम एशिया में तैनात करने का फैसला लिया है। यह पोत ओमान की खाड़ी में मौजूद यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट की जगह लेगा।

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, वॉट्सऐप-यूट्यूब समेत सोशल मीडिया पर बैन

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ शुक्रवार को फिर से प्रदर्शन शुरू हो गए। जुलाई में नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन के दौरान 200 से ज्यादा लोगों की मौत के लिए इंसाफ की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किए जा रहे हैं। कानून व्यवस्था को देखते हुए सरकार ने पूरे देश में सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर बैन लगा दिया है। शुक्रवार को हसीना सरकार ने इंस्टाग्राम, यूट्यूब, टिकटोक, वॉट्सऐप, यूट्यूब समेत अन्य सोशल मीडिया प्लैटफर्म्स पर प्रतिबंध लगा दिया। ग्लोबल आइज की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार से ही पूरे देश में सोशल मीडिया साइट्स पर अस्थायी बैन लगा दिया गया है। इससे पहले तुर्की ने इसी तरह की ऐक्शन लिया था और इंस्टाग्रमा पर प्रतिबंध लगा दिया था। बांग्लादेश सरकार ने मोबाइल पर दोपहर 12 बजे के बाद मेटा के प्लैटफॉर्म्स का नेटवर्क सीमित कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंटरनेट स्पीड को भी काफी स्लो कर दिया गया है ताकि वीपीएन का इस्तेमाल करके भी सोशल मीडिया ना चलाया जा सके। सबसे पहले 17 जुलाई को इंटरनेट बंद किया गया था। इसके बाद 18 जुलाई को ब्रॉडबैंड इंटरनेट भी बंद कर दिया गया था। 28 जुलाई तक मोबाइल नेटवर्क पर बैन था।

फिर से शुरू हुआ प्रदर्शन : राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में दो हजार से अधिक प्रदर्शनकारी एकत्र हुए, जिनमें से कुछ लोग तानाशाह मुर्दाबाद और पीड़ितों के लिए इंसाफ के नारे लगा रहे थे, जबकि पुलिस अधिकारी

उनके चारों ओर घेरा बनाकर खड़े थे। ढाका के उत्तरा इलाके में पुलिस और दर्जनों छात्रों के बीच झड़प हुई, जबकि सुरक्षा अधिकारियों ने पत्थरबाजी कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड दागे। प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार पिछले महीने से छात्रों के प्रदर्शनों का सामना कर रही है और फिलहाल इन प्रदर्शनों के मंद पड़ने का कोई संकेत नहीं है। 15 जुलाई को हिंसा भड़कने के बाद से, शेख हसीना के लिए विरोध-प्रदर्शन बड़ा संकट बन गए हैं। हिंसक प्रदर्शनों से निपटने के लिए अधिकारियों ने इंटरनेट बंद कर दिया है और देखते ही गोली मारने का आदेश देते हुए कर्फ्यू लगा दिया है। स्कूल और विश्वविद्यालय बंद हैं।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, रविवार 04 अगस्त 2024 | 8

रेलवे द्वारा रीवा और भोपाल के मध्य नई ट्रेन शुरू की गई है। गत रात्रि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन से नई गाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रीवा के लिए रवाना किया। सांसद ने ट्रेन के रीवा पहुंचने पर यात्रियों का स्वागत किया।

गढ़ में दीवार गिरने से चार बच्चों की दुखद मौत, दो घायल

मुख्यमंत्री ने बच्चों की मौत पर दुख व्यक्त किया, मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की

रीवा। रीवा जिले के गढ़ कस्बे में एक निजी स्कूल में पढ़ रहे बच्चों की स्कूल के समीप दीवार गिरने से दबने की दुर्घटना में आठ बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से चार बच्चों की दुखद मौत हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दीवार गिरने की दुर्घटना में मृत बच्चों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि ईश्वर दिवंगत बच्चों की आत्मा को शांति प्रदान करे। दुर्घटना में घायलों को शीघ्र स्वस्थ करे। जिन परिवारों ने अपने मासूम बच्चों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। दुर्घटना में मृत बच्चों के परिजनों को शासन की ओर से दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल तथा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने तत्काल दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य कराया। मौके पर पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा बचाव दल तैनात है। दुर्घटना के संबंध में एसडीएम मनगवां पीएस त्रिपाठी ने बताया कि बच्चे स्कूल से छुट्टी के बाद घर जा रहे थे। स्कूल से कुछ ही दूरी पर एक जर्जर कच्चे मकान की दीवार गिरने से 8 बच्चे दब गए। आसपास के ग्रामीणों तथा पुलिस ने तत्काल बच्चों को निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगेव में भर्ती कराया। दुर्घटना में चार बच्चों की दुखद मौत हो गई है। इनमें अंशिका गुप्ता 5 वर्ष, मान्या गुप्ता 7 वर्ष, सिद्धार्थ गुप्ता 5 वर्ष तथा अनुज प्रजापति 5 वर्ष शामिल हैं। इस दुखद घटना में रक्षा गुप्ता तथा रानी प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गई हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है। मौके पर जर्जर एक अन्य मकान को गिराने की कार्यवाही की जा रही है।

दुःख की घड़ी में सरकार परिजनों के साथ है: उप मुख्यमंत्री

गढ़ में बच्चों की मौत की दुःखद घटना पर उप मुख्यमंत्री ने व्यक्त किया शोक

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा के गढ़ में दीवार गिरने से चार मासूमों के काल कवलित होने की दुःखद घटना पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत कष्टकारी एवं दुखद है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार सभी परिजनों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान करने और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिये हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को यह असहनीय कष्ट सहन करने की क्षमता प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए सदैव तत्पर रहे हैं: शुक्ल

उप-मुख्यमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर रीवा को मिली नई ट्रेन की सौगात

रीवा। विंध्य के विकास पुरुष उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल के जन्मदिन पर रीवा को नई ट्रेन की सौग़ात मिली है। श्री शुक्ल का रीवा के विकास और कल्याण के प्रति अटूट समर्पण है। उन्होंने रीवा के विकास के लिए हर क्षेत्र में सदैव कार्य किया है। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यटन विकास को प्राथमिकता दी है। उनके ड्रीम प्रोजेक्ट्स में मुकुन्दपुर व्हाईट टाईगर सफारी, चाकघाट से इलाहाबाद और हनुमना से बनारस फोर-लेन का निर्माण और गुढ़ में 750 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना शामिल हैं। रीवा के चौतरफा विकास में उन्होंने विशेष रुचि ली है, जिससे रीवा एक विकासशील शहर के रूप में उभरा है। यातायात सुधार के लिए चोरहटा से रतहरा बायपास बनवाया और लक्ष्मणबाग गौशाला को आदर्श बनाने में योगदान दिया। उनके प्रयासों से रीवा और विंध्य क्षेत्र को नई पहचान मिली है, जिसमें सोलर प्लांट, व्हाइट टाइगर सफारी, एयरपोर्ट सुविधा और जल संरचनाओं का पुनरुद्धार शामिल है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, खेलकूद सुविधाएं, और ग्रामीण विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी क्रम में यह बिल्कुल उचित है कि उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर भोपाल-रीवा के लिए नई ट्रेन का शनिवार को रीवा आगमन हुआ है। रीवा से भोपाल के बीच यात्रियों की लंबी वेटिंग को समाप्त करने के उद्देश्य से इस नवीन ट्रेन के संचालन से आमजन को बड़ी राहत मिलेगी। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि विंध्य क्षेत्र के निवासियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण सौग़ात है। उल्लेखनीय है कि यह नई रेल-सेवा (22145/46) 2 अगस्त से प्रारंभ हो रही है। भोपाल से यह ट्रेन शुक्रवार और रविवार को रात्रि 11 बजे चलेगी और रानी कमलापति, इटारसी, जबलपुर होकर अगले दिन सुबह 9:15 बजे रीवा पहुंचेगी। इसी तरह यह ट्रेन रीवा से शनिवार और सोमवार की रात 10:30 बजे चलेगी तथा सुबह 8:05 बजे भोपाल पहुंचेगी।

मऊगंज में समीक्षा बैठक 5 अगस्त को

रीवा। कलेक्ट्रेट कार्यालय मऊगंज में 5 अगस्त को दोपहर बाद 3 बजे से समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। बैठक में कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे सड़क चौड़ीकरण तथा नाली निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक में मऊगंज शहर में जल भराव को रोकने के लिए किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की जाएगी।

मऊगंज हॉस्पिटल के उन्नयन हेतु 40 करोड़ की स्वीकृत मिलने पर भाजपा जिला अध्यक्ष ने सीएम और डिप्टी सीएम का जताया आभार

रीवा। भाजपा मऊगंज जिला अध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र मिश्रा ने मऊगंज चिकित्सालय के विस्तार कर 200 बेड किए जाने एवं निर्माण के लिए 40 करोड रुपए की प्रशासकीय की स्वीकृत मिलने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कहा है कि मऊगंज में स्वास्थ्य सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा और जन-जन की आकांक्षाएं पूरे होगी स्वास्थ्य के क्षेत्र में मऊगंज स्वावलंबी जिला बन जाएगा और चिकित्सा के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी केंद्र प्रदेश में बैठी भाजपा की डबल इंजन सरकार ने मऊगंज जिला निर्माण के साथ ही विकास के नीति नये आयाम की पूर्ति की है भाजपा जिला अध्यक्ष ने भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष देवतालाब विधायक गिरीश गौतम और विधायक प्रदीप पटेल का भी आभार व्यक्त किया है जिनके प्रयासों से मऊगंज क्षेत्रविकास की ऊंचाइयों को छू रहा है और लगातार जन आकांक्षाओं की पूर्ति करने के लिए भाजपा सरकार नई-नई योजनाएं का प्रारंभ मऊगंज जिले में कर रही है मऊगंज जिला चिकित्सालय को 200 बेड किए जाने से पूरा मऊगंज आंचल को अत्यंत लाभ होगा और हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाओं का बेहतर इलाज चिकित्सा मिल सकेगी और मऊगंज जिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में सर्व सुविधा युक्त संपन्न होगा

ब्रह्माकुमारीज संस्थान झिरिया में द्वादश ज्योर्तिलिंगम का दिव्य झांकी

रीवा। ब्रह्माकुमारीज संस्थान झिरिया, रीवा में द्वादश ज्योतिर्लिंग शिवजी की झांकी विशेष रूप से लगाई गई है। यह झांकी *सुबह 06बजे से सायं 8:00 बजे तक दर्शन के* लिए उपलब्ध रहेगी।

इस झांकी में सर्व मानव समुदाय की मनोकामना पूर्ण करने वाले 12 प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों की झांकियां सजाई गई हैं, जिनमें मनकामेश्वर महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, सोमनाथ, श्री शैलं, मल्लिकार्जुन आदि शामिल हैं।

नियमित पूजा, आरती और मानसिक फल प्रदान करने वाले भोलेनाथ के दर्शन मात्र से सर्व पाप

और ताप संताप का नाश हो जाता है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि कलियुग के समस्त दुखों का नाश शिव परमात्मा या शिवबाबा की दर्शन मात्र से हो जाता है।

इस सावन मास में सम्पूर्ण भक्ति, आस्था और साधना का मास होता है, जिसमें सच्चे मन से पूजा आराधना करने से शिव भोलेनाथ शीघ्र ही प्रसन्न होकर मन की सर्व कामनाएँ सहज ही पूरी कर देते हैं। इसी भाव से 12 ज्योतिर्लिंगों का दर्शन कर समस्त मानव समुदाय अपनी मन की सभी सिद्धियाँ प्राप्त कर सकते हैं।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शिवधाम में शिव के दर्शन से सर्व मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। श्रावण मास में पूर्णमासी के दिन तक सभी भक्त साधक और श्रद्धालु परमात्मा शिव के दर्शन करके द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन करके संपूर्ण होने का लाभ प्राप्त करें।।

जिले में अब तक 209.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में पिछले तीन दिनों से वर्षा हो रही है। लगभग सभी तहसीलों में अच्छी वर्षा से धान की रोपाई में तेजी आएगी। जिले में 3 अगस्त को 10.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 20 मिलीमीटर वर्षा त्योंथर तहसील में दर्ज की गई। इस संबंध में अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि जिले में एक जून से अब तक कुल 209.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस अवधि में तहसील हुजूर में 249.9 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 108.5, गुढ़ में 288 मिलीमीटर, सिरमौर में 262.6 मिलीमीटर, त्योंथर में 132.5 मिलीमीटर, सेमरिया में 194 मिलीमीटर, मनगवां में 294 मिलीमीटर तथा तहसील जवा में 148 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 356.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

नई रेल से रीवा के विकास को मिलेगी गति: योगेंद्र

रीवा। भाजपा नेता योगेंद्र शुक्ला.सांसद प्रतिनिधि राजीव खंडेलवाल ने रीवा भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन कीनई सौगात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि भोपाल के लिए रेवांचल एक्सप्रेस एवं वंदे भारत ट्रेन के साथ ही एक नई ट्रेन चार दिनों के लिए चलाने की स्वीकृत से रीवा जिले प्रदेश के बहुत बड़ेक्षेत्र से रेल कनेक्टिविटी से जुड़ गया है रीवा से जबलपुर होते हुए इटारसी के रूट में नई ट्रेन चलने से प्रदेश के हर जिला से सीधे संपर्क विंध्य क्षेत्र का हो गया भाजपा नेताओ ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्रीव सांसद जी ने जनता की हर आकांक्षा को गंभीरता से लेते हुए उसे पूरा करने का काम किया है रीवा हर क्षेत्र में जिस ऊंचाई को छू रहा है उसके पीछे उपमुख्यमंत्री एवं सांसद जी की विकास के प्रति समर्पण और रीवा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प ही है जो विकास के क्षेत्र में प्रतिदिन नए सोपान रच रहा है रेलवे कनेक्टिविटी से रीवा जिला उद्योग के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे गतिमान हो गया और बेरोजगारों को रोजगार देने वाले जिलों में अव्वल खड़ा हो रहा है नई ट्रेन सेवा से राजधानी भोपाल और इंदौर में निवास करने वाले रीवा अंचल के लोगों को तो लाभ होगा ही साथ ही भोपाल और जबलपुर के बीच भी एक नई अतिरिक्त ट्रेन की सौगात और सुविधा जनता को मिल गई है

अनुपयोगी कुँओं में जहरीली गैस से हो सकती है दुर्घटना

रीवा। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल तथा अन्य कार्यों के लिए परंपरागत रूप से कुओं का उपयोग किया जाता था। पानी प्राप्त करने के अन्य साधनों के कारण कुओं का उपयोग कम हो गया है। कई अनुपयोगी कुँओं में संचित पानी में पेड़ों की पत्तियाँ तथा अन्य पदार्थों के सड़ने से कार्बन मोनो ऑक्साइड तथा अन्य जहरीली गैस का निर्माण हो जाता है। ऐसे कुँओं में जाने पर जहरीली गैस से गंभीर दुर्घटना हो सकती है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आमजनता से अपील करते हुए कहा है कि अनुपयोगी तथा बंद पड़े कुँओं में न उतरें। यदि इनमें जाना आवश्यक हो तो सुरक्षा के पूरे उपाय करें। कुँओं में जाने पर जहरीली गैसों के असर से बेहोशी तथा मौत हो सकती है।

नियम विरुद्ध संचालित 171 बसों पर हुई चालानी कार्यवाही

रीवा। परिवहन विभाग द्वारा,यात्री बसों के विरुद्ध चलाए जा रहे चेकिंग अभियान में,दो माह, जून और जुलाई 2024 के मध्य 171 बसों पर चालानी कार्यवाही की, जिसमें बिना परमिट 3, बिना पैनिक बटन के 8, इसके अलावा 65 बसों पर फिटनेस से संबंधित मापदंड सही नहीं पाये जाने पर इनके चालान बनाए गए।साथ ही मोटरयान अधिनियम 1988 की अन्य धाराओ पर कमी पाये जाने के कारण 94 यात्री बसों पर कार्यवाही की गई।यह कार्यवाही आरटीओ रीवा के निर्देशन पर,परिवहन सुरक्षा स्कवाड रीवा के द्वारा की गई।परिवहन सुरक्षा स्कवाड रीवा के द्वारा इनके अलावा स्कूल बसों,स्कूल में लगे तीन पहिया ऑटो, स्कूल वैनो पर भी सघन जाँच अभियान चलाया जा रहा है।यात्री बसों की इस चेकिंग कार्यवाही से परिवहन विभाग ने 187200/- रुपये का राजस्व इस चालानी कार्यवाही से अर्जित किया है।

कार्यपालन यंत्री जोन क्रमांक 1 द्वारा जल भराव क्षेत्र, अवैध कालोनी एवं भवनों के बेसमेंट पार्किंग का किया गया निरीक्षण

रीवा। निगम आयुक्त डॉ0 सौरव सोनवणे के निर्देशानुसार जोन क्रमांक 1 कार्यपालन यंत्री श्री राजेश सिंह एवं तकनीकी दल द्वारा वीहर नदी के किनारे संभावित जल भराव क्षेत्र हमीदिया कॉलोनी, पद्मधर कॉलोनी का निरीक्षण किया गया एवं पानी निकासी की आवश्यक व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए। कार्यपालन यंत्री द्वारा वार्ड क्रमांक 1 निपनिया में ताम्रकार कॉलोनी के पास श्री अनूप तिवारी, मोहम्मद शकील खान एवं अन्य द्वारा शिवपुरवा में निर्मित की जा रही अवैध कालोनियों एवं वार्ड क्रमांक 4 चोरहटा में हवाई अड्डा के पास बिंदु ग्रुप द्वारा निर्मित की जा रही कॉलोनी का निरीक्षण किया गया तथा निरीक्षण के दौरान कॉलोनी विकास अनुज्ञा एवं भवन निर्माण संबंधी अभिलेख प्रस्तुत नहीं करने पर मौके पर निर्माण कार्य बंद कराया गया। निरीक्षण के दौरान एजी कॉलेज रोड में निर्मित रामकृष्ण अपार्टमेंट एवं पड़रा तिराहा में भी विजय लाहौरी एवं अन्य द्वारा निर्मित किये जा रहे भवन की पार्किंग एवं बेसमेंट का निरीक्षण किया गया पार्किंग की व्यवस्था, पानी निकासी की व्यवस्था एवं अग्निशमन की समुचित व्यवस्था बनाये जाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उपयंत्री श्री हरेराम मिश्रा, श्री सुनील मिश्रा, श्री श्याम सुंदर मिश्रा एवं श्री रामचंद्र तिवारी एवं शिवनाथ पटेल उपस्थित रहे।

सांसद ने नई ट्रेन से आए यात्रियों का पुष्पवर्षा से किया स्वागत

शीघ्र ही गोविंदगढ़ तक होगा ट्रेनों का संचालन : सांसद

नए निर्माण कार्यों से रीवा और डभौरा रेलवे स्टेशनों का हो रहा है कायाकल्प

रीवा। रेलवे द्वारा रीवा और भोपाल के मध्य नई ट्रेन शुरू की गई है। गत रात्रि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन से नई गाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रीवा के लिए रवाना किया। प्रातः 9 बजे रीवा पहुंचने पर नई ट्रेन तथा उसके यात्रियों का जोरदार स्वागत किया गया। सांसद श्री जनार्दन मिश्र, अन्य जनप्रतिनिधियों तथा रेलवे के अधिकारियों ने पुष्पवर्षा करके ट्रेन के यात्रियों का स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में सांसद श्री मिश्र ने कहा कि रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य वासियों को रेलवे मंत्री जी ने नई ट्रेन की सौगात दी है। इसके लिए रेल मंत्री जी का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। रीवा रेलवे स्टेशन और डभौरा रेलवे स्टेशन में सौन्दर्यीकरण तथा स्टेशन के विस्तार के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इन कार्यों के पूरा होते ही इन स्टेशनों का कायाकल्प हो जाएगा।

सांसद ने कहा कि रीवा रेलवे स्टेशन में दो माह में एसी कोच मेंटिनेंस शेड का निर्माण पूरा हो जाएगा। सभी कार्य पूरे होने के बाद रीवा से चलने वाली ट्रेनों की संख्या में वृद्धि होगी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रीवा ही नहीं देश भर के रेलवे स्टेशनों का विकास हो रहा है। रेल लाइनों के दोहरीकरण तथा विद्युतीकरण के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। आधुनिकतम तकनीक से अमृत ट्रेन के डिब्बे देश में ही बनाए जा रहे हैं। भारतीय रेलवे ने प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर देश के नारे को चरितार्थ करने में पूरा दम लगा दिया है। विन्ध्यवासियों को सप्ताह में दो दिन भोपाल जाने की सुविधा नई ट्रेन से मिलेगी। छुट्टियों में भोपाल आने-जाने वालों को इससे बड़ी सुविधा होगी। समारोह में रेलवे के परियोजना प्रबंधक एसपी सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि रीवा से 13 जोड़ी ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। रीवा रेलवे स्टेशन में प्रतिदिन 12 हजार से अधिक यात्रियों का आवागमन होता है। रेलवे स्टेशन के सौन्दर्यीकरण तथा प्लेटफार्म क्रमांक 4 और 5 का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होने से यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ेगी। श्री सिंह ने बताया कि नई भोपाल-रीवा ओवरनाइट एक्सप्रेस ट्रेन भोपाल रेलवे स्टेशन से प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को रात 11 बजे प्रस्थान कर इटारसी-जबलपुर मार्ग से सुबह 9.15 बजे रीवा पहुंचेगी। यह ट्रेन रीवा से प्रत्येक शनिवार और सोमवार को रात 10.30 बजे प्रस्थान कर सुबह 8 बजे भोपाल पहुंचेगी। समारोह में पूर्व सांसद श्री देवराज सिंह, विधायक रीवा प्रतिनिधि श्री विवेक दुबे, रेलवे के डीजीएम डॉ मधुर वर्मा, श्री राजेश त्रिपाठी, अन्य जनप्रतिनधिगण तथा आमजन उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833